

स्थापना वर्ष- 1959

विद्या ददाति विनयम्।

साजान

वार्षिक पत्रिका
सत्र 2025-26



छितीनी इण्टर कालेज, छितीनी-कुशीनगर

College Code- 781053 | UDISE Code- 09590308903 | Contact : 919919469930
web.: www.cickushinagar.in, E-mail : principalcic1053@gmail.com



सृजन

2025-26

वार्षिक पत्रिका

!! संरक्षक मण्डल !!

महेन्द्र सिंह तंवर
(जिलाधिकारी-कुशीनगर)
वन्दिता श्रीवास्तव
(मुख्य विकास अधिकारी-कुशीनगर)
सतीश सिंह
(संयुक्त शिक्षा निदेशक-गोरखपुर)
वैभव मिश्रा
(अपर जिलाधिकारी-कुशीनगर)
रामवीर सिंह
(उप जिलाधिकारी-खड्डा)
विनोद कृष्ण
(अपर सचिव, मा0 शिक्षा परिषद, गोरखपुर)
श्रवण कुमार गुप्ता
(जिला विद्यालय निरीक्षक-कुशीनगर)
राम जियावन मौर्य
(जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी-कुशीनगर)
राजेश कुमार
(खण्ड शिक्षा अधिकारी-खड्डा)
—●●—
!! परामर्शदाता !!
सुशील कुमार
(सहायक अध्यापक)
—●●—

!! शिक्षक सम्पादक !!

शिवेन्द्र प्रकाश	(सहायक अध्यापक)
विजय कुमार कुशवाहा	(पी.टी.ए. शिक्षक)
रीपिका	(पी.टी.ए. शिक्षिका)
रोशनी शर्मा	(पी.टी.ए. शिक्षिका)

!! प्रबन्ध समिति !!

विजय सिंह	अध्यक्ष
राजेश केडिया	उपाध्यक्ष
मुकुन्द माधव केडिया	प्रबन्धक
प्रेमलाल गुप्त	उप प्रबन्धक
वीरेन्द्र प्रताप सिंह	कोषाध्यक्ष
लक्ष्मी नारायण मल्ल	सदस्य
राजधारी यादव	सदस्य
प्रदीप कुमार	सदस्य
प्रहलाद	सदस्य
आशुतोष खेतान	सदस्य
मेहूल कुमार	सदस्य
विशाल	सदस्य

!! प्रकाशक !!

आकाश कुमार सिंह
(का0 प्रधानाचार्य)

!! प्रधान सम्पादक !!

आदर्श कुमार तिवारी
(सहायक अध्यापक)

!! विद्यार्थी सम्पादक !!

मनीषा कुशवाहा	12 कला
कु0 पिकी साहनी	11 कला
प्रदीप गुप्ता	10 स
कु0 ज्योति	09 स



छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी-कुशीनगर

Contact : +919919469930 | E-mail : principalcic1053@gmail.com

web.: www.cickushinagar.in | U-DISE CODE: 09590308903



पत्रिका: **सृजन**

सत्र: 2025-26

प्रकाशक:

छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी
कुशीनगर 274801

संस्करण: **षष्ठम्**

चित्र संयोजन एवं कम्पोजर :

आकाश कुमार सिंह

मुद्रक:-

नारायण प्रिंटिंग प्रेस, पडरौना, 9305091066

GSTIN : 09CDNPM9447H1ZT

!! Disclaimer !!

The view expressed by authors published in the "Srijan 2025-26" are there own. They do not reflect the view of the organization. The Editor/ Editorial Board is no way responsible for any liability arising out of the contents/text of the "Srijan 2025-26" .



R. P. N. SINGH

Member of Parliament
Rajya Sabha



सत्यमेव जयते

Delhi Residence:
AB-23, Tilak Marg,
New Delhi-110001

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि छितौनी इण्टर कॉलेज, छितौनी, जनपद-कुशीनगर (उ.प्र.) द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पहल विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा, वैचारिक परिपक्वता और अभिव्यक्ति कौशल को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशित लेख, कविताएँ एवं अन्य रचनाएँ छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक उन्नयन के साथ-साथ उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में भी सहायक सिद्ध होंगी। ऐसी रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन तथा उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ एवं प्रोत्साहित करती हैं।

पत्रिका के सफल, सुचारु एवं त्रुटिहीन प्रकाशन हेतु मैं संस्था के प्रधानाचार्य महोदय, संपादक-प्रकाशक मंडल, शिक्षकगण तथा सभी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। आशा है कि "सृजन" भविष्य में भी नवोन्मेष, सकारात्मक सोच और उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को निरंतर समृद्ध करने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।

श्री आकाश कुमार सिंह
का० प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।


(आर०पी०एन० सिंह)

Residence: The Palace Padrauna, Distt. Kushinagar, Uttar Pradesh

विजय कुमार दूबे

संसद सदस्य (लोकसभा)
65, कुशीनगर (उ०प्र०)



सत्यमेव जयते

पत्रांक / / 2025-26

दिनांक: 19 जनवरी 2026

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी-कुशीनगर, शैक्षिक सत्र 2025-26 में अपने संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" को प्रकाशित करने जा रहा है। विद्यालय की पत्रिका यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है कि विद्यालय शैक्षिक दृष्टि से सकारात्मक दिशा में अग्रसर है। मैं, संस्था प्रधानाचार्य से यह अपेक्षा करता हूँ कि वे अध्यनरत छात्र/छात्राओं के बहुआयामी विकास हेतु अनवरत पाठ्य सहगामी क्रियाओं का संचालन करते रहेंगे।

प्रकाशक मण्डल द्वारा पत्रिका के समयान्तर्गत एवं सफल प्रकाशन हेतु मैं, प्रकाशक मण्डल सहित समस्त विद्यालय को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। संस्था निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो.....!!

(विजय कुमार दूबे)

सांसद
कुशीनगर

श्री आकाश कुमार सिंह
का० प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

विवेकानन्द पाण्डेय

विधायक, 329 खड्डा,
कुशीनगर (उ0प्र0)



पत्रांक / / 2025-26

दिनांक: 19 जनवरी 2026

संदेश

यह अत्यन्त ही हर्ष का विषय है कि विधानसभा खड्डा के नगर पंचायत छितौनी में स्थित एकमात्र अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय, छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी-कुशीनगर, शैक्षिक सत्र 2025-26 में अपने संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" का प्रकाशन करने जा रहा है, जो अध्ययनरत विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने में तथा विद्यालय की पाठ्य सहगामी क्रियाओं को आम-जनमानस तक पहुँचाने में उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं, विद्यालय के उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की कामना के साथ, इस पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अनवरत प्रयासरत संस्था प्रधानाचार्य, प्रकाशक मण्डल एवं छात्र/छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

प्रति

श्री आकाश कुमार सिंह
का0 प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

विवेकानन्द

(विवेकानन्द पाण्डेय)

विधायक-खड्डा
कुशीनगर

अशोक निषाद

अध्यक्ष नगर पंचायत, छितौनी
कुशीनगर (उ०प्र०)

पत्रांक /मेमो..... / 2025-26

दिनांक: 12 जनवरी 2026

संदेश

मुझे यह जानकारी अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हमारे नगर पंचायत छितौनी में स्थित अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय, छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी-कुशीनगर, द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में अपने संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशित लेख विद्यार्थियों के ज्ञान, रचनात्मकता, आदि में वृद्धि करेंगे। विद्यालय पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संस्था प्रधानाचार्य, प्रकाशक मण्डल एवं छात्र/छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

अशोक निषाद

(अशोक निषाद)

अध्यक्ष

नगर पंचायत:छितौनी

जनपद:कुशीनगर।

प्रतिष्ठार्थ,

श्री आकाश कुमार सिंह

का० प्रधानाचार्य

छितौनी इण्टर कालेज,

छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय – जिलाधिकारी, कुशीनगर

महेन्द्र सिंह तंवर (आई.ए.एस.)

जिलाधिकारी

जनपद— कुशीनगर



अर्द्धशासकीय पत्र

पत्रांक / / 2025-26

दिनांक: 14 दिसम्बर 2025

संदेश

छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, जनपद—कुशीनगर, द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में अपने संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" का प्रकाशन किया जा रहा है, जो छात्र हित में एक सकारात्मक कदम है।

छात्रों को लेख प्रस्तुत करने हेतु अवसर प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारने में तथा विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों के प्रकाशन से यह पत्रिका न सिर्फ पाठको के लिए ज्ञानवर्द्धक होगी एवं बल्कि रचनात्मक भाव के सृजन में सफल होगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संस्था के प्रधानाचार्य, शिक्षणगण एवं छात्रों को मैं अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करता हूँ, जिनके अथक प्रयास, सहयोग व दिशा निर्देशन में पत्रिका प्रकाशित होने जा रही है।

(महेन्द्र सिंह तंवर)

जिलाधिकारी

कुशीनगर।

प्रति,

श्री आकाश कुमार सिंह

प्रधानाचार्य

छितौनी इण्टर कालेज,

छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय – संयुक्त शिक्षा निदेशक, सप्तम मण्डल, गोरखपुर

पत्रांक /7706 / 2025-26

दिनांक: 19 दिसम्बर 2025

संदेश

छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, जनपद-कुशीनगर, मण्डल-गोरखपुर (उ0प्र0) द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में अपने संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" का प्रकाशन किया जा रहा है, जो अत्यन्त ही सराहनीय प्रयास है।

मुझे विश्वास है कि पत्रिका में प्रकाशित रचनाएं एवं लेख, अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ-साथ अन्य पाठको के लिए सुरुचिपूर्ण एवं ज्ञानवर्द्धक होगी। पत्रिका, विद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सकारात्मक प्रयासों एवं उपलब्धियों को आम जनमानस तक प्रेषित करने का एक सशक्त माध्यम होती है।

मैं, पत्रिका के प्रकाशक मण्डल, रचनाकारों एवं समस्त विद्यालय परिवार को एक सफल प्रयास हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ, जिनके रचनात्मक प्रयास से यह पत्रिका प्रकाशित होने जा रही है।

(सतीश सिंह)
संयुक्त शिक्षा निदेशक
सप्तम मण्डल, गोरखपुर।

प्रति,

श्री आकाश कुमार सिंह
प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय – अपर सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय, गोरखपुर

पत्रांक / / 2025–26

दिनांक: 30-12-2025

संदेश

संज्ञान में लाया गया है कि छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, जनपद-कुशीनगर, मण्डल-गोरखपुर (उ०प्र०) द्वारा शैक्षिक सत्र 2025–26 में अपने संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025–26" का प्रकाशन किया जा रहा है, जो एक सकारात्मक प्रयास है।

विद्यालय की पत्रिका, छात्र/छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देती है। प्रकाशक मण्डल द्वारा छात्र-छात्राओं की रचनाओं को सवार कर जब पत्रिका में प्रकाशित किया जाता है तो छात्र/छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखारने में अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

विद्यालय पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संस्था प्रधानाचार्य, प्रकाशक मण्डल, एवं छात्र/छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।



(विनोद कृष्ण)

अपर सचिव

माध्यमिक शिक्षा परिषद
क्षेत्रीय कार्यालय-गोरखपुर

प्रति,

श्री आकाश कुमार सिंह
का० प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय- जिलाधिकारी, कुशीनगर

वैभव मिश्रा (पी.सी.एस.)
अपर जिलाधिकारी, (वि०/रा०)
जनपद- कुशीनगर



अर्द्धशासकीय पत्र
पत्रांक / / 2025-26
दिनांक: 09 दिसम्बर 2025

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि जनपद कुशीनगर के तहसील -खड्डा, के नगर पंचायत छितौनी में स्थित एकमात्र अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय, छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी-कुशीनगर, द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में अपने संस्था की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" के प्रकाशन के लिए अहम कदम उठाया है।

किसी भी संस्था की पत्रिका, संस्था में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के विचारों को अभिव्यक्त करने का एक उचित माध्यम होता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशित प्रत्येक लेख विद्यार्थियों के ज्ञान, रचनात्मकता, कला, कौशल आदि में वृद्धि करेंगे तथा पत्रिका त्रुटिहीन प्रकाशित होगी।

मैं, पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए प्रकाशक मण्डल, छात्र/छात्राओं एवं संस्था प्रधानाचार्य को अपनी असीम शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(वैभव मिश्रा)
अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०)
जनपद: कुशीनगर

प्रति,

श्री आकाश कुमार सिंह
प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय – जिला विद्यालय निरीक्षक, कुशीनगर

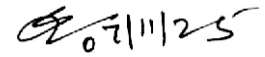
पत्रांक / / 2025-26

दिनांक: 07-11-2025

संदेश

मुझे यह जानकारी प्रसन्नता हो रही है कि छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, कुशीनगर की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" प्रकाशित होने जा रही है। आशा करता हूँ कि पत्रिका अपने उद्देश्य में सफल होगी और इसमें ज्ञानवर्धक एवं सारगर्भित लेख का समावेश होगा। पत्रिका के माध्यम से छात्र/छात्राओं को अपनी अभिव्यक्ति के अवसर भी प्राप्त होंगे।

छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, कुशीनगर की वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" के सफल प्रकाशन के लिए संस्था के प्रधानाचार्य, सम्पादक मण्डल, शिक्षकों और छात्र/छात्राओं को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।



(श्रवण कुमार गुप्ता)
जिला विद्यालय निरीक्षक
कुशीनगर

प्रति,

आकाश कुमार सिंह
का0 प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय – जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कुशीनगर

पत्रांक / / 2025-26

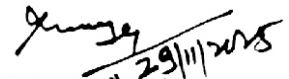
दिनांक: 29-11-2025

संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, कुशीनगर अपनी विद्यालयी पत्रिका "सृजन 2025-26" को प्रकाशित करने जा रहा है। विद्यालयी पत्रिका, संस्था की शैक्षणिक, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों का दर्पण मात्र ही नहीं होती, विद्यालय के छात्र/छात्राओं की बौद्धिक, वैचारिक एवं रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती है।

मैं, आशा करता हूँ कि पत्रिका में प्रकाशित रचनाएं ज्ञानवर्धक एवं सारगर्भित होंगी और छात्र-छात्राओं का उचित मार्गदर्शन करने एवं उनके विचारों में रचनात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगी।

मैं, पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।



डॉ० (राम जियावन मौर्य)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
कुशीनगर

प्रति,

प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय – उपजिलाधिकारी, खड्डा, जनपद-कुशीनगर

रामवीर सिंह (पी.सी.एस.)

उप जिलाधिकारी, खड्डा
जनपद- कुशीनगर

पत्रांक / / 2025-26

दिनांक: 10 नवम्बर 2025

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, कुशीनगर अपनी वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" का प्रकाशन करने जा रहा है। इस हेतु समस्त प्रकाशन मण्डल को हार्दिक बधाई। इससे जहाँ एक ओर नवोदित रचनाकारों की सृजनशीलता को प्रोत्साहन मिलता है, वहीं दूसरी ओर संस्था द्वारा सृजित और संकलित ज्ञान और सूचनाओं को कॉलेज तथा उसकी सीमाओं के बाहर भी विस्तारित करने में मदद मिलती है, साथ ही पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को भी अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का सुअवसर प्राप्त होगा।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका "सृजन 2025-26" में ऐसी महत्वपूर्ण एवं रोचक पाठ्य-सामग्री का प्रकाशन किया जायेगा, जिससे विद्यार्थी वर्ग के जीवन-दर्शन, कार्य-संस्कृति और अध्ययन-रुचि में अभिवृद्धि होगी।

मैं, पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(रामवीर सिंह)

उप जिलाधिकारी-खड्डा
जनपद:कुशीनगर

प्रति,

श्री आकाश कुमार सिंह
प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

कार्यालय – खण्ड शिक्षा अधिकारी, खड्डा-कुशीनगर

पत्रांक /996..... / 2025-26

दिनांक:10-11-2025.....

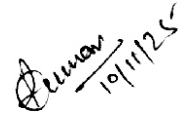
संदेश

मुझे यह जानकारी बड़ी प्रसन्नता हुई है कि छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, कुशीनगर अपनी वार्षिक पत्रिका "सृजन 2025-26" का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालयों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिरूचियों को प्रकाश में लाने का कार्य करती है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका में छात्रों एवं जनहित हेतु उत्कृष्ट पठनीय, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरक सामग्री का समावेश किया जायेगा जिससे छात्र एवं समाज के अन्य वर्ग भी लाभान्वित होंगे।

मैं, पत्रिका के प्रकाशन हेतु विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

मंगलकामनाओं सहित,



(राजेश कुमार)
खण्ड शिक्षा अधिकारी
खड्डा-कुशीनगर

प्रति,

आकाश कुमार सिंह
का० प्रधानाचार्य
छितौनी इण्टर कालेज,
छितौनी-कुशीनगर।

मुकुन्द माधव केडिया

प्रबन्धक



छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी

कुशीनगर 274801

दिनांक: 16-01-2026

संदेश

“सृजन : बौद्धिक चेतना का प्रतिबिंब”



मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि हमारे विद्यालय छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका ‘सृजन 2025-26’ प्रकाशित किया जा रहा है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि विद्यार्थी के भीतर छिपी हुई सृजनात्मक प्रतिभा को उजागर करना भी है। ‘सृजन’ पत्रिका हमारे छात्र-छात्राओं की मौलिक सोच, उनके साहित्यिक कौशल और उनके संवेदनशील विचारों को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल अपनी बात कहने का अवसर मिला है और भविष्य में उनमें आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति की स्पष्टता भी विकसित होगी।

मैं, इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य, सम्पादक मण्डल के सदस्यों और उन सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ जिन्होंने अपने रचनाओं, लेखों और कविताओं से इसे सजाया है।

मेरी मंगलकामना है कि यह पत्रिका निरंतर ज्ञान और प्रेरणा का आलोक फैलाती रहे।

Mukund Madhu Kedia

(मुकुन्द माधव केडिया)

प्रेषक,

आकाश कुमार सिंह

का० प्रधानाचार्य

छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी
कुशीनगर 274801



सम्पर्क: +91 7080356760

ईमेल—principalcic1053@gmail.com

पत्रांक/वा०पत्रिका/ 128 / 2025-26

दिनांक: 16-01-2026

संदेश

वास्तव में हर्ष की अनुभूति हो रही है कि एक वर्ष के अन्तराल के बाद हम अपने विद्यालय की वार्षिक पत्रिका सृजन 2025-26 का प्रकाशन करने जा रहे हैं, जो विद्यार्थियों की रचनात्मक शक्ति, सम्पादक मण्डल के सदस्यों की कड़ी मेहनत तथा दृढ़निश्चय, वरिष्ठतम शिक्षक के मार्गदर्शन व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग का एकीकृत परिणाम है। इस पत्रिका में विद्यालय की समस्त गतिविधियों एवं क्रियाकलापों को प्रस्तुत किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा व कार्यकौशल तथा विद्यालय के प्रयास को विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं समाज तक पहुँचाना है। यह पत्रिका आम जनमानस के लिए विद्यालय की बेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्ध है।

इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए अपने शुभकामना संदेश से हमें मार्गदर्शन प्रदान करने वाले सभी मा० जनप्रतिनिधिगण, उच्चाधिकारीगण के प्रति मैं, सम्पूर्ण विद्यालय परिवार के तरफ से कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

मैं, पत्रिका प्रकाशन हेतु लेख प्रदान करने के लिए विद्यार्थियों/शिक्षकों/कार्मिकों तथा लेख को सजाकर प्रस्तुत करने हेतु सम्पादक मण्डल के सदस्यों एवं शिक्षक साथियों को बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ। शिक्षा के साथ-साथ क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रदर्शन आदि सह शैक्षणिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता को चित्रों द्वारा संरक्षित करने का दायित्व भी सम्पादक मण्डल द्वारा निभाया गया है।

मेरा यह पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका सभी पाठकों के लिए संग्रहणीय सिद्ध होगा।

(आकाश कुमार सिंह)

सम्पादकगण की कलम से.....

विद्यालय की पत्रिका "सृजन" के छठें संस्करण के प्रकाशन के अवसर पर मन अत्यन्त आह्लादित है। विद्यालय एक ऐसा स्थल है, जो विचारों का तीर्थ, संस्कारों की पाठशाला और भविष्य के सपनों की पृष्ठभूमि निर्मित करता है। यहाँ से बाल मन को दिशा मिलती है, व्यक्तित्व आकार पाता है और जीवन रूपी यात्रा का शुभारम्भ होता है। हमारे विद्यालय की पत्रिका उसी पवित्र यात्रा की शाब्दिक अभिव्यक्ति है। इस पत्रिका के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा अपने विचारों, भावनाओं और सृजनात्मकता को सभी के समक्ष अभिव्यक्त करने तथा संवर्धित करने का सुअवसर प्राप्त होता है, यह वह मंच है जहाँ छात्र अपने मन की बात को शब्दों में ढालते हैं, अपनी प्रतिभा को पहचान देते हैं और समाज से संवाद स्थापित करने में सफल होते हैं। यह पत्रिका उस विचार धारा की सशक्त अभिव्यक्ति है, जिसमें विद्यार्थियों के चिंतन, रचनात्मकता और मूल्यों का समन्वय परिलक्षित होता है।

हमारी पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान के अलावा उनके व्यावहारिक ज्ञान और सोच को निखारना है। ज्ञान के साथ विवेक, विद्या के साथ विनय और बुद्धि के साथ संवेदना का समन्वय करना है, जिससे शिक्षा का लक्ष्य साधा जा सके। विद्यालय की यह पत्रिका 'सृजन' विद्यार्थियों की रचनात्मक चेतना एवं मेधा को संवर्धित करने का एक प्रयास है, इसमें कविता की कोमल अनुभूति है, लेखों की वैचारिक गहराई है और चित्रों की मौन भाषा है, जो नन्हें विचारों को पंख, छिपी प्रतिभाओं को स्वर, और आत्म-विश्वास को आकार देती है।

यह पत्रिका देश भक्ति, पर्यावरण-संरक्षण, विज्ञान, सामाजिक समरसता और अनुशासन जैसे विषयों की ऐसी झांकी है जो किसी को भी यह सोचने पर विवश कर देती है कि "यह धरती हमारी नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है, इसका संरक्षण हमारा नैतिक दायित्व है।" स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, समानता और सह अस्तित्व जैसे मूल्यों को विद्यार्थियों की जीवन का हिस्सा बनाने में यह पत्रिका अपना अमूल्य योगदान करती दिखाई पड़ती है।

अंत में लेख प्रदान करने वाले सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं, जिसके सहयोग से यह पत्रिका आपके समक्ष प्रस्तुत हो सकी है। आशा है यह अंक प्रेरणात्मक होगा और सभी को रचनात्मक सोच की ओर अग्रसर करेगा। आइये हम ज्ञान के साथ संस्कारों को भी सहेजे, ताकि हमारे विद्यार्थी उज्ज्वल मस्तिष्क के साथ-साथ उदार हृदय वाले बने।

अन्ततः यही कामना है कि हमारा विद्यालय ज्ञान की गंगा, संस्कारों की यमुना और संस्कृति की सरस्वती बनकर अविरल प्रवाहित होता रहे, और यह पत्रिका उस पवित्र प्रवाह की मधुर ध्वनि बनकर प्रत्येक मानस पटल को आह्लादित करती रहे।

सादर!

!! सम्पादक मण्डल !!

वार्षिक पत्रिका सृजन 2025-26

छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, कुशीनगर।

जल संकट एवं समाधान

जल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जल के बिना मानव और सजीव सृष्टि का जीवन असंभव है। आज के आधुनिक समय में बढ़ती जनसंख्या के कारण और जल की बर्बादी के कारण पृथ्वी का सारा जल खत्म होने जा रहा है। हमारी पृथ्वी पर 71 प्रतिशत जल का हिस्सा समुद्री पानी से भरा हुआ है लेकिन समुद्र का पानी पीने लायक नहीं है, इसलिए जमीन के अंदर उपस्थित केवल 1.6 प्रतिशत पानी पीने लायक है, बाकी 0.001 प्रतिशत पानी बादल के रूप में आसमान में उपस्थित है। आज के समय में लोग पानी की बचत नहीं कर रहे हैं। बिना किसी वजह के उसे व्यर्थ कर रहे हैं। अगर ऐसे ही चलता रहा तो पृथ्वी के सारे जानवर, पेड़ पौधे, पक्षी और हम सभी पानी की कमी होने की वजह से मर जाएंगे।

हमें पानी को जरूरत के अनुसार ही इस्तेमाल करना चाहिए, अनावश्यक रूप से उसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि पानी हमारा जीवन है, पानी नहीं तो हम नहीं।



□□□

पिंकला भारती 11 कला

पृथ्वी दिवस: ग्रहों के प्रति जागरूकता व संरक्षण का दिन



पृथ्वी दिवस (EARTH DAY) हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन पृथ्वी के पर्यावरणीय संरक्षण और स्थिरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समर्पित है। पृथ्वी दिवस की शुरुआत 1970 में अमेरिका से हुई थी, जब अमेरिकी पर्यावरणविद् गेलोर्ड नेल्सन ने इसे शुरू किया था। इस दिन का उद्देश्य लोगों को हमारे ग्रह के पर्यावरणीय संकटों, जैसे जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, और वनस्पति और वन्यजीवों की प्रजातियों के विलुप्त होने के खतरे के बारे में जागरूक करना है। पृथ्वी दिवस के महत्व को देखते हुए, विभिन्न देशों में इस दिन को बड़े स्तर पर मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के लिए सरकारें, गैर-सरकारी संगठन और आम नागरिक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हैं। इनमें वृक्षारोपण, जल संरक्षण, ऊर्जा बचत और प्रदूषण नियंत्रण जैसे कार्य शामिल होते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम, रैलियाँ, और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, ताकि लोग पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदारी महसूस करें। पृथ्वी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हमारे पर्यावरण का संरक्षण हमारे हाथों में है। यदि हम प्रकृति का ध्यान नहीं रखेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ इसे अनुभव नहीं कर पाएंगी। इसलिए यह आवश्यक है कि हम सभी मिलकर पृथ्वी के संसाधनों का उचित उपयोग करें और उसे बचाने के प्रयास करें। इस दिन का उद्देश्य केवल पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा करना नहीं, बल्कि लोगों को हर स्तर पर पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें पृथ्वी के संरक्षण के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है।

□□□

मिथिलेश कुमार चौहान 9 स

विज्ञान के दोहे

- नाभिक (Nucleus) बैठा चैन से, इलेक्ट्रॉन रहे घूम पढ़ने बैठे जब कभी, नींद मचाती धूम।
- तत्वों को सजा दिया, मेंडलीफ ने खास टेबल ऐसी बन गई, बच्चे हुए हताश।
- सोने की पन्नी लीनी, रदरफोर्ड ने खास अल्फा कण टकरा गए, हुआ नाभिक का आभास।
- डाल्टन बोले जगत में, परमाणु है अनमोल अविभाज्य वह कण रहा, सब तत्वों का मोल।
- आँखें जिसकी खो गई, दिया उन्हें उपहार ब्रेल लिपि की खोज ने, बदला उनका संसार।
- आर्यभट्ट ने जब दिया, शून्य का वरदान गिनती तब आगे बढ़ी, चमका हिंदुस्तान।
- मशीनें अब सोचने लगीं, कैसा चला ये दौर इंसान भी हैरान है, देख ए.आई. का जोर।
- डीएनए को जोड़कर, बदल रहे सब रूप नई खोज ये दे रही, जीवन का नया स्वरूप।
- विज्ञान ने प्रगति तो की, पर प्रदूषण बढ़ा अपार प्रकृति को बचाने की अब, खोज करो सरकार।
- स्मार्टफोन में सिमट गया, अब दुनिया का ज्ञान सीख यही है खोज की, बनो न इसके गुलाम।
- धमनियां दौड़ाएं खून को, दिल करता है पंप फेफड़ों से लेकर हवा, दूर करे हर कंप।
- फेफड़े खींचें शुद्ध हवा, छोड़ें गंदी गैस साँसों की इस डोर से, चलता जीवन का रेस।
- आँखों से जो न दिखें, वे भी हैं बलवान दही जमाएँ या करें, बीमार ये इंसान।
- हाइड्रोजन है नंबर वन, हीलियम दूजा भाई मेंडलीव की टेबल ने, सबकी नींद उड़ाई।
- नीला लिटमस लाल हुआ, एसिड का है काम लाल अगर नीला बने, बेस (Base) धरो तब नाम।
- नमक में डाला अम्ल जब, गैस उठी सनसनाय कार्बोनेट की गूँज है, चूना दूधिया हो जाय।
- कंक्रीट के इस दौर में, पेड़ न होने पाएँ कम फोटोसिंथेसिस रुके तो, रुक जाएगा दम।

□□□

अजित कुमार शर्मा कक्षा 10 स

जीवन की सुन्दरता

वह जीवन भी क्या जीवन है?
जिसमें आशा का नीर नहीं,
पथ पर आगे बढ़ना ही क्यों?
जब लक्ष्य के लिए अधीर नहीं।
जीवन की कठिन परीक्षा में
आशा ही एक सफलता है
जीवन पथ पर आगे बढ़ना
यही तो जीवन की सुन्दरता है।

□□□

गरिमा चौधरी कक्षा 10 स

Mom

You are sunlight in my day
You are the moon I see far away
You are the tree I lean upon
You are the one that makes troubles be gone
You are the one who taught me life
How not to fight, and what is right
You are the words inside my song
You are my love, my life, my Mom.

□□□

Chulbuli yadav 9 A

What is Dengue and how is it caused?

Dengue is a viral disease that is caused by mosquito. It can lead to flu-like illness like high fever with headache, severe muscle and joint pain. In recent decades, the incidence of dengue has increased. Mainly, it occurs in tropical and subtropical areas of the world. Let us read about Dengue fever, its symptoms, prevention, and treatment.

If Dengue is mild then it causes high fever, rash, muscle, and joint pain but if it is severe then it can cause severe bleeding, a sudden drop in blood pressure and death. Severe dengue fever is known as dengue hemorrhagic fever. According to the Directorate of the National Vector Borne Disease Control Programme (NVBDCP), India has reported more than 113440+ cases of dengue fever till Nov 2025. In 2025, a decrease in dengue cases was observed in the state of Uttar Pradesh compared to 2024.. In State and Union Territories of India, dengue is endemic. It is seen that due to floods and monsoon season, raining in certain states causes more fear of dengue cases. The stagnant water condition allows mosquitoes or vectors to breed.

□□□

Isha Sharma 10 C

जीवन का मंत्र

एक राजा को फूलों का बड़ा शौक था। उसने सुंदर, सुगंधित फूलों के 25 गमले अपने शयनागार के प्रांगण में रखवा रखे थे। वह रोज अलग-अलग फूलों से अपना शयनकक्ष सजवाता था। उनकी देखभाल के लिए एक नौकर रखा गया था। एक दिन काम करते हुए नौकर से एक गमला टूट गया। राजा को पता चला तो वह आग बबूला हो गया। उसने आदेश दिया कि 2 महीने के बाद नौकर को फांसी दे दी जाए। मंत्री ने राजा को बहुत समझाया लेकिन राजा ने एक न मानी। फिर राजा ने नगर में घोषणा करवा दी कि जो कोई टूटे हुए गमले की मरम्मत करके उसे ज्यों का त्यों बना देगा, उसे मुंहमांगा पुरस्कार दिया जाएगा। कई लोग अपना भाग्य आजमाने के लिए आए लेकिन विफल रहे। एक दिन एक महात्मा नगर में पधारे। उनके कान तक भी गमले वाली बात पहुंची। वह राजदरबार में गए और बोले, राजन, तेरे टूटे गमले को जोड़ने की जिम्मेदारी मैं लेता हूँ, लेकिन मैं तुम्हें समझाना चाहता हूँ कि यह देह अमर नहीं तो मिट्टी के गमले कैसे अमर रह सकते हैं? ये तो फूटेंगे, गलेंगे, मिटेंगे। पौधा भी सूखेगा। लेकिन राजा अपनी बात पर अडिग रहा। आखिर राजा उन्हें वहां ले गया, जहां गमले रखे हुए थे। महात्मा ने एक डंडा उठाया और एक-एक करके प्रहार करते हुए सभी गमले तोड़ दिए। थोड़ी देर तक तो राजा चकित होकर देखता रहा। उसे लगा यह गमले जोड़ने का कोई नया विज्ञान होगा, लेकिन महात्मा को उसी तरह खड़ा देख उसने आश्चर्य से पूछा, 'ये आपने क्या किया?' महात्मा बोले, 'मैंने चौबीस आदमियों की जान बचाई है। एक गमला टूटने से एक को फांसी लग रही है। चौबीस गमले भी किसी न किसी के हाथ से ऐसे ही टूटेंगे तो उन चौबीसों को भी फांसी होगी। मैंने गमले तोड़कर उन लोगों की जान बचाई है।' राजा महात्मा की बात समझ गया। उसने हाथ जोड़कर उनसे क्षमा मांगी और नौकर की फांसी का हुक्म वापस ले लिया। इस तरह साधु ने एक व्यक्ति के प्राण भी बचा लिए और राजा को देह अमर नहीं है, इस बात का ज्ञान भी दे दिया।

सीख— कोई भी निर्णय ले, उससे पहले उस पर अच्छी तरह सोच-विचार करें।।

□□□

मनीषा कुशवाहा 12 कला

पिता

उसी के अंश है हम सब, उसी का सच्चा नाता है,
उसी की परवरिश से अपना जीवन साँसे पाता है,
वही बचपन में हमको अपने कन्धो पर बिठाता है,
हमें ऊंगली पकड़कर बस वही चलाना सिखाता है,
हमारे वास्ते जो अपना सब सुख-दुःख भूल जाता है,
पिता कहते हैं हम जिसको, वही अपना भाग्य विधाता है।।

पिता उपवास करके अपने बच्चों को खिलाते हैं,
पिता बच्चों के सुख में अपना सुख-दुःख भूल जाते हैं,
पिता बच्चों को अपनी गोद बिठाकर, मेला घुमाते हैं,
पिता बच्चों के सपनों को भी इस दूर दुनिया में लाते हैं,
पिता का नाम तो ताजिन्दगी ही काम आता है,
पिता कहते हैं हम जिसको, वही अपना भाग्य विधाता है।।

फलक से चाँद, सूरज और तारे कौन देता है?

मुसीबत से निकलने के इशारे कौन देता है?

कदम जब डगमगाते हैं सहारे कौन देता है?

मोहब्बत की नदी के धारे कौन देता है?

पिता का नाम ही हर जेहन में क्यों जगमगाता है?

पिता कहते हैं हम जिसको, वही अपना भाग्य विधाता है।।

एक ऐसी रोशनी जो उम्र भर तक झिलमिलाती है,
पिता की सीख तो अन्तिम समय भी काम आती है,
पिता वह श्रेय है जिससे हर मुसीबत हार जाती है,
सभी रिश्ते हैं मतलब के, पिता ही असल साथी है,
वहीं है धन्य जो चरणों में उनके सर झुकाता है,
पिता कहते हैं हम जिसको, वही अपना भाग्य विधाता है।।

इन्ही पदचिन्हों पर चलकर सफर आसान हो जाए,

जमाने और दुनिया में भी एक पहचान हो जाए,

पिता क्या है? जिसे भी इसका थोड़ा ज्ञान हो जा,

फिर उस की भी जिन्दगी वरदान हो जाए,

हमारी जिन्दगी का जो हर पल फूलों से सजाता है,

पिता कहते हैं हम जिसको, वही अपना भाग्य विधाता है।।

पिता के दम पर ही माँ के सभी श्रृंगार होते हैं,
पिता कभी फूलों से लगते हैं कभी तलवार होते हैं,
पिता के हाथों ही रिश्तों के बेड़े पार होते हैं
हमारी हर कहानी का पिता किरदार होते हैं,

पिता का का साया सर पर हो तो हर मौसम सुहाता है।

पिता कहते हैं हम जिसको, वही अपना भाग्य विधाता है।।

पिता की शक्ति पर चलता न ही जादू न ही टोना,

पिता की सीख होती है मुसीबत में भी मत रोना,

पिता कहते हैं संकट में कभी साहस नहीं खोना,

पिता पीतल की दुनिया में भी होता है खरा सोना,

अधेरे में पिता उम्मीद का सूरज उगाता है।

पिता कहते हैं हम जिसको, वही अपना भाग्य विधाता है।।

□□□

कुमारी बन्दना कुशवाहा कक्षा-12 कृषि

भारतीय सेना

देश की वो शान हैं
देश की वो जान हैं
गर्व है ऐसे वीरों पर
जो देश पर कुर्बान हैं।

सलाम है उन देश प्रेमियों को
जिनके कारण तिरंगे का मान है।

जीते हैं वो देश के लिए
मरते हैं वो देश के लिए
अपनों का साथ छोड़कर
अपना घर-परिवार छोड़कर
लड़ते हैं वो वतन के लिए

सलाम है उन देशप्रेमियों को
जिनके कारण तिरंगे का मान है।

□□□

कुमारी कविता कुशवाहा 11 कला



आम

स्वाद में खट्टा मीठा आम
बात है इसमें कोई खास
हर कोई देख इसे ललचाये
बिन खाये फिर रह ना पाये
गर्मी के मौसम में आता
फलों का राजा कहलाता।।

□□□

कृष्णा यादव 9 स

विद्या अध्ययन हेतु शारीरिक स्वास्थ्य का महत्व

विद्यालय विद्या अध्ययन का एक पवित्र स्थल है। विद्यार्थी इस पवित्र स्थल पर विद्या ग्रहण करने के पुनीत उद्देश्य से आते हैं। परन्तु विद्या अध्ययन से पहले, इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विद्यार्थी का शारीरिक स्वास्थ्य अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय है। अतः यह आवश्यक है कि अपने शरीर को स्वस्थ रखने के उपाय सीखे जाएँ, क्योंकि यदि हम बीमार हो जाएँ या अपना शरीर कमजोर हो जाए तो हम विद्या अध्ययन कैसे कर सकेंगे।

अतः शारीरिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने के लिए प्रस्तुत है वैदिक धर्म से लिया गया संक्षिप्त लेख –

मनुष्य का शरीर पाँच तत्वों से निर्मित होता है – पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु। ये पंच तत्व यदि संतुलन की अवस्था में हों तो हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। मनुष्य के शरीर पर जिन चीजों का असर होता है, वह है— उसका खान-पान, वातावरण, उसका विचार, उसका आचरण इत्यादि। ये सभी चीजें सात्विक होनी चाहिए। इसके साथ ही मनुष्य को संतुलन का पालन करने वाला होना चाहिए।

इसके अतिरिक्त हमारे शरीर पर उस चुंबकीय शक्ति का असर पड़ता है जिसके सहारे इस विश्व की प्रत्येक वस्तुएं अपने अपने स्थान पर स्थिर रहती हैं। आकाश में जितने तारे आप देखते हैं, वे सभी एक-दूसरे की आकर्षण शक्ति के कारण ही अपने-अपने स्थान पर स्थिर रहते हैं। उस चुंबकीय शक्ति से विद्युत (बिजली) की तरंगें निकलती रहती हैं। वो तरंगें सूर्य, चन्द्रमा, तारों और हमारी धरती, यहाँ तक कि हमारे शरीर पर भी असर डालती हैं। इन तरंगों को योग शक्ति के द्वारा अपने शरीर के अन्दर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि कैसे ये तरंगें मनुष्य के शरीर पर असर डालती हैं?

मनुष्य के शरीर में भी चुंबक की भाँति चुम्बकीय ध्रुव होते हैं जिनके इर्द-गिर्द ये तरंगें वृत्ताकार घूमती रहती हैं। ये दिखाई नहीं देती हैं परन्तु इनका बहुत गहरा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए सोते समय हमें चाहिए कि ऐसी दिशा में हम सोएँ जिससे हमारे शरीर पर धरती की इन तरंगों का अनुकूल असर पड़े। हमें अपना सिर सदैव दक्षिण अथवा पूर्व दिशा की तरफ ही करके सोना चाहिए, जिससे पृथ्वी के चुंबकीय प्रवाह का मन तथा शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सके और हम ऊर्जावान बने रहें।

□□□

नितिश कुमार गुप्ता (शिक्षक)

67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता



67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा



67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा



छितीनी इण्टर कॉलेज, छितीनी की वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ



लोक भारती न्यूज ब्यूरो

खड़क कृशीनगर। जनपद के खड़क क्षेत्र के नगर पंचायत छितीनी के छितीनी इण्टर कालेज में शनिवार को दो दिवसीय 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पाञ्जन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। यहाँ विद्यालय के प्रबन्ध समिति सदस्य प्रदीप उपाध्याय एवं प्रहलाद मौर्य द्वारा विद्यालय का झण्डा रोहण कराने के बाद ने छत्रा आंचल गुप्ता को मिशाल जुलूस धमपाया। जो अनुग्रहा, अंशु चौहान व आचल सिंह ने पूरे खेल मैदान में मिशाल जुलूस लेकर दौड़े। फिर अतिथि श्री उपाध्याय ने हरी झण्डा दिखाकर दौड़ का शुभारम्भ किया। सोनियर वर्ग व जूनियर बालक वर्ग के 200 मीटर दौड़ के साथ 200 मीटर जूनियर वर्ग के बालिका ने दौड़ की प्रतियोगिता हुई। जिसमें सोनियर वर्ग 200 मीटर दौड़ में अमरजीत गौतम कक्षा- 11 प्रथम, अभिषेक मिरी कक्षा- 10 को द्वितीय व नूर मोहम्मद कक्षा- 11 तृतीय स्थान प्राप्त किये। जूनियर वर्ग 200 मीटर में बालक में प्रथम स्थान रंजीत कक्षा- 9, द्वितीय स्थान अब्दुल कुदुस कक्षा- 9 व तृतीय स्थान विवेक चौहान कक्षा- 7 ने पाया। 200 मीटर जूनियर वर्ग बालिका में प्रथम स्थान अंशु चौहान कक्षा- 9, द्वितीय स्थान आंचल सिंह व तृतीय स्थान खुरी

यादव कक्षा- 7 ने स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर सोनियर वर्ग बालिका में प्रथम स्थान गोल्डी चौहान कक्षा- 12, द्वितीय स्थान संजना गुप्ता कक्षा- 11 व तृतीय स्थान आंचल गुप्ता कक्षा- 10 ने स्थान पक्का किये। इसके साथ 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, खो- खो, क्रिकेट, रंगोली प्रतियोगिता आदि की आयोजन चल रहा था। जिनको अतिथियों द्वारा मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता में कक्षा- 11 की टीम विजेता रही, यही उपविजेता कक्षा- 10 की टीम रही। विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। रंगोली में कुल 21 टीम प्रतिभाग की, तथा मेहदी में 17 समूह में छत्राओं ने प्रतिभाग किया।

कालेज के प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने अतिथियों को अंग वस्त्र व कैप पहना कर स्वागत कर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर राजकिश जहाँस्कूल कटारि भरपुरवा के प्रधानाचार्य उदल कुमार, पीटी अध्यापक सत्येन्द्र कुमार सिंह, आदर्श तिवारी, सुजित पटेल, अभिषेक चौहान समेत अध्यापक सुशील कुमार, विजय कुसावाहा, शिवेन्द्र प्रकाश, गुलाब गुप्ता, प्रमोद सिंह, दिनेश यादव, नीतीश गुप्ता, रिषिका, निधि, पूजा, सोनल, रोमा आदि उपस्थित रहे।



पडरौना, निज संवांददाता। खड्डा क्षेत्र के नगर पंचायत छिन्तीनी स्थित छिन्तीनी इंटर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय 67वीं वार्षिक शूलकल्प एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन संविचार को संकेत दिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा पापेद मोहिबुल्ला के सहायक सचिव अविनारा पति तिवारी एवं विधिपत्र अतिथि राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालतलहा के अध्यापनाध्यक्ष राजीव कुमार मोहन रहे।

छिन्तीना हिलाटी को प्ररकमा एवं प्रमाण पत्र प्रदान करते अतिथि। • शूलकल्प

में कक्षा 11 के छात्र अमरजीत गौतम का ओवरऑल चौपयन घोषित किया गया। द्वितीय स्थान कक्षा 9 के छात्र रंजीत यादव एवं तृतीय स्थान कक्षा 11 के छात्र नूर मोहम्मद को मिला। वहीं बालिका वर्ग में कक्षा 9 की छात्रा अंश चौहान प्रथम

42. द्वितीय स्थान। संलग्न मुरदा बख्त
11 व तुलुंग स्थान। जर्मन मुरदा
बख्त— 10 में स्थान प्रकाशित।
इसके साथ 100 मीटर दीर्घ, ल-
कुर, छोटी कुर, गोला फेंक, बल-
फेंक, हथी-को, जिंकेंट, रंगी-
प्रतिवेष्टित आदि का उपयोग व
रहा था। जिनको जर्मनियों को
वेष्टित व प्रत्यक्ष वज्र के समर्थित
थे। जिंकेंट प्रतिवेष्टिता में क-
11 की टीम विजेता थी। व
उपविजेता बख्त—10 की टीम थी
जिंकेंट व उपविजेता टीम को
प्रत्यक्ष का सुरक्षित विभागा व
रंगीनी में बख्त 21 टीके निभाया।

[illegible][illegible]

गिरिनी-1 कक्षा के छात्रों ने टेलीकॉम के माध्यम से अयोध्या टो हिवरसे 6.7वीं वर्षिक खेलकूद पर संस्कृतिक प्रतियोगिता का विजेता का सम्मान पाना। इसमें विजेता प्रतियोगिता से पुरस्कार प्राप्त किया। अतिथि गार्वायिक विषय परिय, गौरवकूद के महागुरु संस्कृत अधिव्यास पति गिरिनी ने कहा कि खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियाँ छात्रों के स्वस्थता विकास में अत्यंत भूमिका निती हैं। इससे न केवल शारीरिक अथा मानसिक विकास होती है, बल्कि अनुशासन, ठोठ भावना अथ नैतिक धर्म भी विकास होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि स्वस्थ-मानसिकता के माध्यम से ही छात्रों का आधुनिक विकास का आधुनिक विकास।

खेल प्रतियोगिता में अनुष्ठान प्रदर्शन के आधार पर भास्कर वर व कक्षा 11 के छात्र अयोध्या गौरव का अवसर अतिथि गौरवकूद

[illegible][illegible]

गुरु कथा- 10 ने सप्त पक्षा
 किया। इसके साथ 100 मीट्र टोड,
 लम्बी कुद, कच्ची कुद, गौत कद,
 भाली कुद, छे-छो, क्रिकेट,
 भारतीय प्रीवियॉन और की आयेन
 चल रहा था। क्रिके अर्धियं
 दश मेंडन व प्रमाण पर देन
 सम्पन्न किया। क्रिकेट प्रीवियॉन
 में कप्तान- 11 की टोड मिलेला वी,
 वरी उपकृत- 10 की टोड

कत स्थल पर अजिअ कष्ट किया।
 उत असपर प वजिअ कष्ट किया।
 कटार्ड भतुवला के प्रशानकार्य उत
 कुमर, टी अज्यक सम्पन्न कुमर
 सिंह, अतन किया, सुनिन देन,
 अर्धिके चौदन सम्पन्न अज्यक
 सुनिन कुमर, निवन कुमरक,
 अर्धिके प्रकर, गुनल गुल, प्रद्वी
 सिंह, निना पाल, निनेन गुल,
 पिरिक, निना पाल, निनेन गुल,
 निना पाल, निनेन गुल,

के बाद ने छात्रा आंचल गुप्ता को मिरालत जुजुस धमकाया। जो अनुराधा, अंशु चौहान व आंचल सिंह ने पूरे खेल मैदान में मिरालत जुजुस लेकर दौड़ा। फिर अतिथि श्री उपाध्यक्ष ने हरी झण्डी दिखाकर दौड़ का

शुभारम्भ किया। सीनियर वर्ग व डैड
जूनियर बालक वर्ग के 200 मीटर प्रथम
डैड के साथ 200 मीटर जूनियर वर्ग द्वितीय
के बालिका ने डैड को प्रतिযোগिता तृतीय
हु। जिसमें सीनियर वर्ग 200 मीटर 200

में अमरजीत गैतम कक्षा- 11	रंजीत कक्षा- 9
अभिषेक गिरी कक्षा- 10 को	कुटुश कक्षा- 9
व नूर मोहम्मद कक्षा- 11	शिवक चौधान कक्षा- 9
स्थान प्राप्त किये। जूनियर वर्ग	200 मीटर जूनियर वर्ग
मीटर में बालक में प्रथम स्थान	प्रथम स्थान अर्जित

[illegible]

सह, आदर्श तत्त्वों, सुभाष पटेल, आभेयेंक चौहान समेत अध्यापक सुरजित कुमार, विजय कुशवाहा, सिनेन्द्र पन्ना, गुलाब गुप्ता, प्रमोद सिंह, दिनेश यादव, नीरजा गुप्ता, रिपिका, निधि, पूजा, शोभा, रोमा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक सवेरा **Kushinagar**

સિદ્ધાંત કે અભિપ્રાય અંગેના પોતાના વિચારો અભિવ્યક્ત કરવાનો અધિકાર

राष्ट्रीय किसान दिवस और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस मनाया गया

जगत्कल्याण बढाया था।
प्रतिनिधित्व में कृष्ण चार टीनों ने
भाग लिया, जिनसे कृष्ण से
सम्बन्धित 20 प्रश्न पूछे गये। प्रश्न-
उत्तर प्रक्रिया पूरी तरह सहज थी।
यही, जिसमें पहले जहाँ उड़ान
मार्ग प्रविष्टि-नीति कायम होनी चाहिए

के कृष्ण ज्ञान, तर्कशक्ति और
दरिद्र निर्वासन से की क्षमता का
परिहार किया गया। समाज का
समावेश में प्रभावकार्य अत्यधिक
सुचारु निष्ठा और अक्षय
अध्यापक संजय श्रीवास्तव,
अध्यक्ष, मन्त्री, विधायक

निर्वाह मुझ महेश साहू,
पिटु मुजससत विवेकानन्द
कायद निधि शिक्षक सीतल
दिनेश कायद अजयती रोहनी
समी सचित जगत्कल्याण परिवार के
कई सदस्य उपस्थित रहे।

दैनिक **सवेरा** सबसे पहले **Kushinagar**

छात्राओं को सुरक्षा व साइबर जागरूकता की जानकारी दी गई :
छितौनी इंटर कॉलेज में 'मिशन शक्ति' के

तहत छात्राओं को मिली सुरक्षा की जानकारी

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रभारी निरीक्षक हनुमानगंज संजय कुमार

कुशोन्नत पत्नींनी इतर कॉलेज
में मिशन बसके के तहत छात्राओं को
को सुलझा कर साइबर हत्याकांड
की जानकारी दी गई। कबरा
मिट्टि फिलीनी इंटर कॉलेज में
बुधवार को साइबर होप डेस्क
के अंतर्गत कार्यवाही शुरू की

में छात्राओं के साथ खड़ी।
मईला कांस्टेबल ज्योति शिवारी
ने साइबर अपराध से संबंधित
अनुसंधान सहायक करने हुए
छात्राओं को सर्वे करने के
उपयुक्त बताया। कॉलेज के
प्रधानाचार्य आनंदराव शिंदे

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हनुमानगढ़ जिले के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार एवं महिला कांस्टेबल ज्योति शिकारी ने छात्राओं को महिला एसपीकेएन, एसएफओ ने छात्राओं को निजी

स्वतंत्रता, सामान्य तथा आन्दोलन के बहुतों में अकर प्रवेश करने में जुड़ी गहनतम प्रयत्न में आगे न सगाने, सभाओं में जनकरीयों की सभा में उन्होंने सभाओं को निमित्त सुरक्षा हेतुप्राप्त सभाओं के बारे में की अलग कक्षा-प्रणाली विनिर्देश के अन्तर्गत प्रवेश करने में

लोकभारती न्यूज मिशन शक्ति के तहत छात्राओं

को मिली सुरक्षा की जानकारी



कार्यक्रम को संबोधित करने पर भारी निरीक्षक

उद्देश्य से एंटी रॉमियो दल एवं छात्र 112 की टीम विद्यालयों के

हनुमानगंज संजय कुमार
 जहाँ कुशीनगर जम्पद के फ्लिपी इंटर कॉलेज में शिक्षण शक्ति के तहत छात्रों की सुरक्षा साइबर जागरूकता की जायकता की गई। कल्याणित फ्लिपी इंटर कॉलेज में आयोजित की

साइबर होथ के आगंत एक सायबरजगत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हनुमानगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार एवं महिला कार्टेडबल ज्योति तिवारी ने छात्रों को महिला सशक्तिकरण, अपरिचित जलज्योति में पीठ न करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने आह्वान किया कि पुलिस हर परिस्थिति में छात्रों के साथ खड़ी है। महिला कार्टेडबल ज्योति तिवारी ने साइबर अपराध में संवेधानु अनुभव साझा करते हुए

संस्थानपाल, सम्मानित तथा साहचर्य
अवसरों से जुड़ी महत्वपूर्ण
जानकारियाँ दीं। साथ ही उन्होंने
प्रकाशकों को विभिन्न सुरक्षा
हेल्थचेकअप सेवाओं के बारे में भी
अगराज करवाए। प्रभारी निरीक्षक
संस्थान कुमार ने अपने संबोधन में
कहा कि आन्ध्र के विरुद्ध युद्ध

रहना अपराधीयों की बन्धना देता है, इसलिए छात्राओं को गलत के खिलाफ आवाज उठाने में सहीचर्चा नहीं करना चाहिए। उन्होंने आत्मसंयम, चरित्र निर्माण और आत्मरक्षा पर विषयों को दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार महिलाओं एवं छात्राओं की संरक्षा

क्रिक प्रतियोगिता में बंदना की टीम अब्बल

[illegible][illegible]

शैक्षिक गतिविधियाँ : समाचार पत्रों की सुर्खियों में

दैनिक सवेरा Kushinagar

योग दिवस पर हुई पेंटिंग प्रतियोगिता :

योग दिवस पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में पिकी और गुंजा अक्ल




11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

कुशीनगर स्थानीय नगर पंचायत छिन्नोनी स्थित छिन्नोनी इंटर कालेज, छिन्नोनी कुशीनगर में 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में पिकी साहनी, कंचन कुशवाहा द्वितीय, रानी निषाद तृतीय जबकि हाईस्कूल वर्ग में गुंजा गुप्ता प्रथम, प्रिंस शर्मा द्वितीय, मनीषा व काजल को

तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इससे पूर्व प्रातः छात्र/छात्राओं ने वेयरमैन अशोक निषाद, भाज्या नेता, आनंद कुशवाहा, राजेन्द्र अग्रवाल, सभासद रुस्तम अली, अरविंद चौधरी, द्वितीय कुशवाहा, खुसबुद्दीन अंसारी, छोटेलाल शर्मा, सुनील गुप्ता एवं विद्यालय के शिक्षकों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर छात्रों से आह्वान किया गया कि वे सभी योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। इस अवसर पर शिक्षक सुशील कुमार, विजय कुशवाहा, संजीव सिंह, विवेकानंद यादव, रिपिका निधि गुप्ता, महेश साहनी, उपेंद्र गुप्ता, कमरुद्दीन अंसारी, दिनेश यादव, नीतीश गुप्ता, यादवेंद्र पटेल सहित तमाम शिक्षक/कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

योग दिवस पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में पिकी और गुंजा अक्ल



निर्वाण टाइटम, छिन्नोनी (साबिर अली) कुशीनगर। स्थानीय नगर पंचायत छिन्नोनी स्थित छिन्नोनी इंटर कालेज, छिन्नोनी कुशीनगर में 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में इमरत वर्ग में पिकी साहनी प्रथम, कंचन कुशवाहा द्वितीय, रानी निषाद तृतीय जबकि हाईस्कूल वर्ग में गुंजा गुप्ता प्रथम, प्रिंस शर्मा द्वितीय, मनीषा व काजल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इससे पूर्व प्रातः छात्र/छात्राओं ने वेयरमैन अशोक निषाद, भाज्या नेता, आनंद कुशवाहा,

8 दैनिक जागरण गोरखपुर

एक नजर में

रंगोली प्रतियोगिता में 14 टीमों ने किया प्रतिभाग

छिन्नोनी : कक्षा स्थित छिन्नोनी इंटर कालेज में हर घर लिंगा अभियान के प्रथम चरण में शुक्रवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा आठ से 12 तक की 14 टीमों ने प्रतिभाग किया। उनमें इंटर कृषि वर्ग को प्रथम, कक्षा 10-बी टीम को द्वितीय व कक्षा 11 कला वर्ग की टीम को तृतीय स्थान मिला। प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह की देखरेख में हुई प्रतियोगिता का मूल्यांकन करने के बाद निर्णायक मंडल ने आस्था कुशवाहा की नेतृत्व वाली कक्षा 12 (कृषि वर्ग) की टीम में पहला, रोहित निषाद के नेतृत्व वाली कक्षा 10-बी टीम को दूसरा और पिकी साहनी की नेतृत्व वाली कक्षा 11 (कला वर्ग) की टीम को तीसरा स्थान दिया।

दैनिक सवेरा Kushinagar

छिन्नोनी इंटर कालेज छिन्नोनी में बाल दिवस की पूर्व संध्या पर दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न :

दौड़ प्रतियोगिता में मुकेश गिरी एवं आंचल गुप्ता विजेता




कुशीनगर स्थानीय इंटर कालेज छिन्नोनी में बाल दिवस की पूर्व संध्या पर मुखवार को बालक सीनियर वर्ग की 3000 मीटर तथा बालिका सीनियर वर्ग की 1500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक निषाद ने हरी झंडी दिखाकर किया। बालक वर्ग 3000 मीटर दौड़ में मुकेश गिरी ने प्रथम, अमरजीत ने द्वितीय तथा अचिंतेक गिरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग 1500 मीटर दौड़ में आंचल गुप्ता ने प्रथम, आंचल सिंह ने द्वितीय तथा अंशु चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला पुंज मंडल स्वीर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले, प्रतिभागियों को मेडल, सीनियर वर्ग की 3000 मीटर तथा बालिका सीनियर वर्ग की 1500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अशोक निषाद ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी उत्तम ही जरूरी है। खेल से शारीरिक व मानसिक दोनों प्रकार का विकास होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना ही आधी जीत के समान है। प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने विजेताओं को बधाई देते हुए



चित्रकला में काजल व किज में पिकी की टीम सफल

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

खज्जा कुशीनगर। जनपद के स्थानीय छिन्नोनी इंटर कालेज, छिन्नोनी में बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर क्रिज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में इंटर की चार टीमों शामिल हुईं। जिसमें टीम सी सर्वाधिक 115 अंक प्राप्त कर विजयी हुई। टीम सी में पिकी साहनी, प्रियंका साहनी, सुनील कुशवाहा, कंचन कुशवाहा शामिल रहे। इसके अतिरिक्त संविधान दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें काजल प्रथम, संगम द्वितीय एवं अंजनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को विद्यालय द्वारा प्रस्तुत किया। सभी बच्चों को संविधान की शपथ भी दिलाया गया। क्रिज प्रतियोगिता के आयोजक मंडल में सुशील कुमार, आदर्श कुमार तिवारी, विजय



कुमार कुशवाहा शामिल रहे इस अवसर पर प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह, शिक्षक शिवेंद्र प्रकाश, उपेंद्र गुप्ता, दिनेश यादव, महेश साहनी, विवेकानंद यादव, यादवेंद्र पटेल, संजीव सिंह, शीतल कुशवाहा, रिपिका, रीना देवी, यादवेंद्र पटेल, नीतीश गुप्ता, पुंजा यादव, रोशनी शर्मा, लिपिक प्रमोद सिंह, जितेंद्र प्रसाद यादव सहित तमाम छात्र व छात्रा उपस्थित रहे।

पुरस्कार से छात्रों को मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा : मो० जफर



खज्जा कुशीनगर। जनपद के स्थानीय छिन्नोनी इंटर कालेज, छिन्नोनी कुशीनगर में बुधवार को बाल दिवस की पूर्व संध्या पर मुखवार को बालक सीनियर वर्ग की 3000 मीटर तथा बालिका सीनियर वर्ग की 1500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक निषाद ने हरी झंडी दिखाकर किया। बालक वर्ग 3000 मीटर दौड़ में मुकेश गिरी ने प्रथम, अमरजीत ने द्वितीय तथा अचिंतेक गिरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग 1500 मीटर दौड़ में आंचल गुप्ता ने प्रथम, आंचल सिंह ने द्वितीय तथा अंशु चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला पुंज मंडल स्वीर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले, प्रतिभागियों को मेडल, सीनियर वर्ग की 3000 मीटर तथा बालिका सीनियर वर्ग की 1500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अशोक निषाद ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी उत्तम ही जरूरी है। खेल से शारीरिक व मानसिक दोनों प्रकार का विकास होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना ही आधी जीत के समान है। प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने विजेताओं को बधाई देते हुए

रंगोली प्रतियोगिता में कृषि वर्ग की टीम अक्ल

छिन्नोनी। स्थानीय छिन्नोनी इंटर कालेज में हर घर लिंगा अभियान के प्रथम चरण में शुक्रवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा आठ से 12 तक की 14 टीमों ने प्रतिभाग किया। उनमें इंटर कृषि वर्ग को प्रथम, कक्षा 10-बी टीम को द्वितीय व कक्षा 11 कला वर्ग की टीम को तृतीय स्थान मिला। प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह की देखरेख में हुई प्रतियोगिता का मूल्यांकन करने के बाद निर्णायक मंडल ने आस्था कुशवाहा की नेतृत्व वाली कक्षा 12 (कृषि वर्ग) की टीम में पहला, रोहित निषाद के नेतृत्व वाली कक्षा 10-बी टीम को दूसरा और पिकी साहनी की नेतृत्व वाली कक्षा 11 (कला वर्ग) की टीम को तीसरा स्थान दिया।

योग सप्ताह के तहत रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

छिन्नोनी (एसएनबी)। आगामी 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के मद्देनजर जिलाधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक कुशीनगर के निर्देश पर सोमवार को छिन्नोनी इंटर कालेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा 11 एवं 12 की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कक्षा 11 से पिकी साहनी, प्रियंका साहनी, खुसबुद्दीन अंसारी, सुनील कुशवाहा, कंचन कुशवाहा, रानी निषाद तृतीय जबकि हाईस्कूल वर्ग में गुंजा गुप्ता प्रथम, प्रिंस शर्मा द्वितीय, मनीषा व काजल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इससे पूर्व प्रातः छात्र/छात्राओं ने वेयरमैन अशोक निषाद, भाज्या नेता, आनंद कुशवाहा, राजेन्द्र अग्रवाल, सभासद रुस्तम अली, अरविंद चौधरी, द्वितीय कुशवाहा, खुसबुद्दीन अंसारी, छोटेलाल शर्मा, सुनील गुप्ता एवं विद्यालय के शिक्षकों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर छात्रों से आह्वान किया गया कि वे सभी योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। इस अवसर पर शिक्षक सुशील कुमार, विजय कुशवाहा, संजीव सिंह, विवेकानंद यादव, रिपिका, नीतीश गुप्ता, यादवेंद्र पटेल सहित तमाम शिक्षक/कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्हें हर स्थिति में निपटने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रभारी शिक्षक कुमुदनाथन संजय कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकात की ओर खड़ाओं को ध्यान दिलाने अभियान के हात जानकारी दी। प्रधानाचार्य आशा कुमारी सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संचालन आदर्श तिवारी ने किया। इस दौरान महिला कांस्टेबल सुनीता यादव और अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शैक्षिक गतिविधियाँ : समाचार पत्रों की सुर्खियों में



ज्ञानोदय इ.का. बेलवनिया बना ओवरऑल चौम्पियन

छितौनी (एसएनबी)। स्थानीय छितौनी इंटर कालेज में चल रही माध्यमिक शिक्षा विभाग की 11वीं तहसील स्तरीय तहसील स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता में ज्ञानोदय इंटर कालेज बेलवनिया कुल 52 प्रतिस्पर्धियों में 19 स्वर्ण, 11 रजत तथा 9 कांस पदक प्राप्त कर ओवरऑल चौम्पियन बना, 11 स्वर्ण, 18 रजत तथा 12 कांस समेत 41 पदक प्राप्त कर छितौनी इंटर कालेज द्वितीय तथा 7 स्वर्ण, 7 रजत तथा 6 कांस समेत 20 पदक प्राप्त कर श्री गांधी इंटर कालेज खड्डा तृतीय स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन ऊंची कूद, भाला फेंक तथा लम्बी दूरी की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के अंतर्गत 1500 मीटर सीनियर बालक वर्ग में आलोक प्रथम, अयुव द्वितीय, अमरजित तृतीय, जूनियर बालक वर्ग में मुकेश गिरी प्रथम, अभिषेक द्वितीय, विवेक तृतीय, सीनियर बालिका वर्ग में अर्चना यादव प्रथम, रिया चौहान द्वितीय, जूनियर बालिका वर्ग में



सुशी यादव प्रथम तथा रानी राय द्वितीय स्थान पर रहे। सभी प्रतिभागियों को विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य प्रदीप उपाध्याय ने पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने आभार ज्ञापन किया तथा अवगत कराया कि सभी प्रतिस्पर्धियों के प्रथम दो प्रतिभागियों आगामी 23 अक्टूबर से कुशीनगर में आयोजित होने वाली जनपदीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

क्रोडा शिक्षक सुजीत सिंह, सुनील यादव, अजय जायसवाल, व्यास यादव, अभय प्रताप यादव निर्णायक की भूमिका में रहे। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य फादर बैजू, सुशील कुमार, अखिलेश्वर सिंह, मुकेश पाठक, प्रभारी क्रोडा अध्यापक आदर्श कुमार तिवारी, शिवेंद्र प्रकाश, विजय कुशवाहा, गुलाब गुप्ता, महेश साहनी, विवेकानंद यादव, संजीव सिंह, दिनेश यादव, नीतीश गुप्ता, विदुर जायसवाल, पूजा यादव, निधि गुप्ता, रिपिका, रीना देवी, रोशनी शर्मा, गुलाब गुप्ता, प्रमोद सिंह, जितेंद्र यादव, ललित चौधरी सहित तमाम विद्यालयों के छात्र/छात्रा उपस्थित रहे।

छितौनी इंटर कॉलेज से निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति नारों से गूंजा वातावरण



निर्वाण टाइम्स, छितौनी (साबिर अली) कुशीनगर। स्थानीय छितौनी इंटर कॉलेज में बुधवार को "हर घर तिरंगा अभियान" के तहत भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा विद्यालय मुख्य द्वार से प्रारम्भ होकर छितौनी रेलवे स्टेशन होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई। तिरंगा यात्रा को विद्यालय की महिला शिक्षिकाएं रीना देवी, निधि गुप्ता, रिपिका, शीतल कुशवाहा, पूजा यादव एवं रोशनी शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज धामे, ऊँचे स्वर में देशभक्ति के नारे लगाते हुए पूरे

मार्ग में देशप्रेम का संदेश दिया। यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से उपनिरीक्षक अमर सिंह मयफोर्स मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह, चरिष्ठ अध्यापक सुशील कुमार, आदर्श तिवारी, शिवेंद्र प्रकाश, लिपिक प्रमोद सिंह, जितेंद्र यादव, शिक्षक कमरुद्दीन अली अंसारी, गुलाब गुप्ता, उपेंद्र गुप्ता, संजीव सिंह, दिनेश यादव, यादवेंद्र पटेल, निधि गुप्ता, नीतीश गुप्ता, महेश साहनी, विदुर जायसवाल, विवेकानंद यादव समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

योग दिवस पर हुई पेंटिंग प्रतियोगिता

लोक भारती न्यूज व्यूरो

खड्डा कुशीनगर। नगर पंचायत छितौनी स्थित छितौनी इंटर कॉलेज, छितौनी कुशीनगर में 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में इंटर वर्ग में पिंकी साहनी प्रथम, कंचन कुशवाहा द्वितीय, रागनी निषाद तृतीय जबकि हाईस्कूल वर्ग में गुंजा गुप्ता प्रथम, प्रिंस शर्मा द्वितीय, मनीषा व काजल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इससे पूर्व प्रातः छात्र, छात्राओं ने चेयरमैन अशोक निषाद, भाजपा नेता, आनंद कुशवाहा, राजेन्द्र अग्रवाल, संभासद रुस्तम अली, अरविंद चौधरी, दिलीप कुशवाहा, खुसबुदीन अंसारी, छोटे लाल शर्मा, सुनील गुप्ता एवं विद्यालय के शिक्षकों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर छात्रों ने आग्रह किया गया कि वे सभी योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। इस अवसर पर शिक्षक सुशील कुमार, विजय कुशवाहा, संजीव सिंह, विवेकानंद यादव, रिपिका, निधि गुप्ता, महेश साहनी, उपेंद्र गुप्ता, कमरुद्दीन अंसारी, दिनेश यादव, नीतीश गुप्ता, यादवेंद्र पटेल सहित तमाम शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

अभिभावकों को किया गया सम्मानित, 36 मेधावियों का शुल्क माफ

संवाद सूत्र, छितौनी: कस्बा स्थित छितौनी इंटर कॉलेज में अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की बैठक में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास को और सुदृढ़ बनाने पर चर्चा की गई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अभिभावकों को सम्मानित किया गया। 36 मेधावी छात्र-छात्राओं का छह माह का शिक्षण शुल्क माफ करने का निर्णय लिया गया। कक्षा नौ से 12 तक अठ्ठवार्षिक परीक्षा में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों को शुल्क मुक्ति प्रमाणपत्र दिया गया।

प्रबंधन समिति के सदस्य प्रहलाद मौर्य ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है, जब शिक्षक और अभिभावक टीम की तरह दायित्वों का निर्वहन करें। विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और सहशैक्षिक गतिविधियों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह ने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति, होमवर्क पर नजर रखें।

मिशन शक्ति के तहत छात्रा ने संभाला प्रधानाचार्य का कार्यभार

वृत्तान्त संवाददाता

खड्डा कुशीनगर। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मंगलवार को नवरात्रि अष्टमी के अवसर पर छितौनी इंटर कॉलेज में अष्टम की छात्रा कुमारी शिवा कुशवाहा ने एक दिन के लिए प्रधानाचार्य का कार्यभार संभाला। प्रबंध समिति के सदस्य प्रदीप उपाध्याय ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद कार्यवाहक प्रधानाचार्य आकाश कुमार सिंह से उन्होंने पद का प्रभार ग्रहण किया। विद्यालय की महिला अध्यापिकाओं ने पुष्पमाला भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रिया कुशवाहा ने विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बरामदे में खड़े छात्र-छात्राओं को कक्षाओं में जाने का निर्देश दिया। कक्षा-6 में गंदगी सफाईकर्मियों को



फटकार लगाई तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने परीक्षा कक्ष के निरीक्षण में पाइलों के विद्युराव पर परीक्षा प्रभारी को व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। वहीं कुछ कक्षाओं में पंखे खराब पाए जाने और शौचालयों में साफ-सफाई व कूड़ादान की कमी पर प्रधान

इंटर भवन का निरीक्षण किया और जानकारी प्राप्त की। एमडीएम कक्ष का भी जायजा लिया तथा रसोईयों को स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी दौरान विद्यालय में आए अभिभावक योगेंद्र गुप्ता के अनुरोध पर उनकी पुत्री चाँदनी गुप्ता (कक्षा-9) का शुल्क माफ करने का निर्देश भी दिया। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षक के साथ बैठक कर आवश्यक जानकारी को साझा किया। प्रधानाचार्य पद की जिम्मेदारी निभाने के बाद प्रिया कुशवाहा ने कहा कि प्रमिशन शक्ति अभियान से छात्राओं के अंदर भरोसा होकर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास जगा है। इस अभियान की वजह से बेटियाँ निडर होकर नियमित रूप से विद्यालय आ-जा पा रही हैं। इस अवसर पर विद्यालय के सम्पन्न शिक्षक/कर्मचारी उपस्थित रहे।

धर्म

धर्म एक सामाजिक – संस्कृतिक ढांचा है जिसमें मान्यताएँ, प्रथाएँ, नैतिकतायें और विश्वास शामिल होते हैं, जो प्रायः अध्यात्मिक एवं अलौकिक जड़ों से जुड़ा होता है। धर्म जीवन जीने के एक उत्कृष्ट और सही मार्ग को दर्शाता है। जो धर्म की रक्षा करते हुए धर्म की विजय पताका फहराता है धर्म भी उनकी रक्षा करता है। धर्मयुक्त जीवन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और संस्कृति को उन्नति की ओर ले जाता है जबकि दूसरी तरफ धर्महीनता पतन का कारण बनती है। गीता, राग-द्वेष पर विजय पाकर स्वधर्म पालन करने की प्रेरणा देती है। जो धर्मनिष्ठ है, वहीं वास्तव में जीवित है। धर्म का हनन करने वाला अपने विवेक को मृत कर देता है। धर्म हमें न केवल आत्म कल्याण की प्रेरणा देता है, बल्कि विश्व मानवता के प्रति भी कर्तव्य का भान कराता है। धर्म का प्रथम अंग नैतिकता है। यही वह अनुशासन है जो व्यक्ति में चेतना, संवेदना एवं संयम को जागृत करता है। नियमबद्ध एवं संयमित जीवन से समृद्ध व्यक्तित्व का विकास होता है। धर्म के प्रति असावधानी, सामाजिक अशान्ति, विग्रह, रोग और दुर्बलताओं का कारण बनती है। धर्म का दूसरा अनिवार्य अंग आस्तिकता है। आस्तिकता केवल ईश्वर पर विश्वास नहीं, बल्कि स्वयं पर विश्वास है। यही विश्वास व्यक्ति को दुर्बलताओं से ऊपर उठाता है और आत्मबल पैदा करता है। धर्म का तीसरा अनिवार्य अंग अध्यात्म है। अध्यात्म व्यक्ति को आन्तरिक यात्रा की ओर ले जाता है, जहाँ वह अपने वास्तविक स्वरूप और कर्तव्य को पहचानता है। जब व्यक्ति इन तीनों तत्वों को आत्मसात कर लेता है तभी वह सच्चे अर्थों में धार्मिक बनता है और जीवन में शांति, समृद्ध तथा आनन्द का अनुभव करता है। धर्म के विषय में गोस्वामी तुलसीदास जी की यह चौपाई बेहद समीचीन है – “परहित सरिस धर्म नहि भाई” अर्थात् दूसरों की भलाई जैसा कार्य, दूसरा कोई नहीं है। यही सर्वोत्तम धर्म का कार्य है। “परपीड़ा नहि सम अधमाई” अर्थात् दूसरों को पीड़ा देने के समान कोई दूसरा अधर्म (निकृष्ट) कार्य नहीं है। धर्म के विषय में यह भी कहा गया है – “धर्मो रक्षति रक्षितः” अर्थात् जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है, अर्थात् जो व्यक्ति धर्म (कर्तव्य, नैतिकता) का पालन करता है, धर्म भी उसे सुरक्षित रखता है।

□□□

प्रमोद सिंह (वरिष्ठ सहायक लिपिक)

दिनांक 25-04-2025 को समाचार पत्र में प्रकाशित लेख

परीक्षा परिणाम: सफलता एवं असफलता को संभालने की चुनौती

खड्डा, कुशीनगर। (स्पष्ट आवाज)। आज यूपी बोर्ड से अध्ययनरत विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम आ रहा है। परीक्षा परिणाम जो भी आए, उसे सहर्ष स्वीकार करें, आज का दिन विद्यार्थियों के लिए परीक्षा परिणाम से प्राप्त होने वाली सफलता एवं असफलता पर खुद को सम्भालने की चुनौती होगी। स्कूली शिक्षा के परीक्षा परिणाम मात्र भविष्य के दिशाओं को तय करने के मूल्यांकन के रूप में ही देखा जाए तो विद्यार्थियों के लिए बेहतर रहेगा।

ऐसे में जो विद्यार्थी आशानुरूप अंक प्राप्त किए हैं, वे अपने परीक्षा परिणाम का स्वयं, अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ मूल्यांकन करें एवं भविष्य के रास्ते निर्धारित करें। जो विद्यार्थी



आशानुरूप अंक प्राप्त नहीं किए हैं, वे इसके कारणों पर विचार करें, मुझे जो कारण प्रतीत होता है वह यह कि अनवरत कक्षाएं न करना एवं प्री-बोर्ड परीक्षा को महत्व न देना। परीक्षा परिणाम अन्तिम नहीं होते हैं, इसे बेहतर सकारात्मक एवं ईमानदार प्रयास से सुधारा जा सकता है। परीक्षा परिणाम में आशानुरूप अंक प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थी परिणाम के प्रभाव में खुद को बदले और भविष्य में

अपने प्रयासों को थोड़ा और बेहतर करने की कोशिश करें, अपने जीवन को थोड़ा सरल बनाने का प्रयास करें। अब प्रश्न यह उठेगा कि जीवन सरल कैसा होगा? तो ईमानदारी ही सरलता की पहली सीढ़ी है। सभी के जीवन के कुछ मूल्य एवं आदर्श होने चाहिए, जो हमारे जीवन को सकारात्मक दिशा देते हैं और अन्त का साथ निभाते हैं। यह भी याद रखें कि परीक्षा में अच्छे प्राप्तांक लाना आपके स्वर्णिम जीवन या सफलता की गारन्टी नहीं है। विद्यार्थी की इस उम्र में अपने कैरियर, भविष्य के रास्ते के प्रति भटकाव भी देखा जाता है। अच्छे बच्चों बहुत दूर तक की सोचते हैं और थोड़ा कम प्राप्तांक वाले बच्चों भी पढ़ाई छोड़ने से लेकर अन्य विकल्प भी जेहन में रखने लगते हैं,

ऐसे में सबसे पहले अभिभावक अपने बच्चों के पास बैठकर परीक्षा परिणाम को स्वीकारें एवं भविष्य की योजनाओं के सम्बन्ध में सभी पहलुओं (बच्चों की पसंद के विषय, विषय की भविष्य की सम्भावनाएं, अभिभावक की आमदनी, इत्यादि) पर चर्चा करें, बच्चों से उनके भविष्य के बारे में चर्चा करने का सबसे अच्छा समय है। अभिभावक गण भी इस बात का विशेष ध्यान दें कि अपने बच्चों की तुलना किसी अन्य बच्चों से न करें, क्योंकि सभी बच्चों की मानसिक स्थिति एवं पारिवारिक परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं। उक्त बातें आकाश कुमार सिंह स.अ./परीक्षा नियन्त्रक, छितीनी इण्टर कालेज छितीनी, कुशीनगर ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से कहा।

वायु मण्डल

नदियाँ, पर्वत, नभ की क्यारी ।
पेड़ों की हर साँस में जीवन,
फूलों में छुपा है सारा सृजन ।

पंक्षी गाते मधुर तराने,
झरने बहते बिन कोई बहाने ।
साँझ – सवेरा सब कुछ सुंदर,
प्रकृति का रूप है सबसे सुंदर ।

लेकिन अब ये मौन क्यों है?
हरियाली भी कुछ कमजोर क्यों है?
काट रहे हैं हम ही वन सारे,
भर दिए हैं धुएँ के बादल प्यारे ।

प्लास्टिक प्रदूषण, जल की बर्बादी,
कहाँ खो गई नीली सी वादी ?
अब भी वक्त है जागो रे मानव,
संभालो इस धरती को,
न बन जाओ जानवर ।

पेड़ लगाओ, नदियाँ बचाओ,
धरा को फिर हरा बनाओ ।
प्रकृति तुम्हें, फिर दुलारेगी,
हर साँस को शुद्ध बनाएगी ।

□□□

कु0 वर्षा चौधरी (10 स)

गुरु एवं शिष्य

जो खुद मैंने एहसास किया है
बस वही कहने का प्रयास किया है,
मुश्किल से मुश्किल सवालों का भी आपने हल दिया है
और जो कभी न भुला सकूँ वो पल दिया है आपने
आपने ही तो हमें शिक्षा का सही मतलब समझाया है।
आपने ही तो इस दुनिया को अलग नजरिए से दिखलाया है,
एक गुरु की तरह नहीं बल्कि एक परिवार की तरह साथ दिया है,
और जब कभी भी लगा है मैं गिरी आपने ही हाथ दिया है।
कभी सरख्त हो जाते हैं तो कभी डाँटते धमकाते हैं,
तो कभी एक दोस्त की तरह हमें प्यार से समझाते हैं,
एक गुरु अपने शिष्य की हर बात जान जाता है,
वह गुण हो या अवगुण हो उसे पहचान जाता है,
आपने ही तो मुझे खुद से मिलाया है और
हार कर भी मुझे जीतना सिखाया है,
आपका ये कर्ज कभी अदा नहीं कर सकते
बस आपकी दुआयें और सर पर हाथ चाहती हूँ
ज्यादा कुछ नहीं बस आपका आशीर्वाद चाहती हूँ।

□□□

कुमारी कंचन कुशवाहा 11 कला

विचार

गरीब वह नहीं जिसके पास कम है, गरीब वह है जो अधिक चाहता है।
हमारे शिक्षक और हम विद्यार्थी एक दूसरे के पूरक एवं पहचान हैं।
भाषा बुद्धि का उपकरण है, जिसका सावधानी से प्रयोग होना चाहिए।
अगर सूरज की तरह चमकना है तो सूरज की तरह जलना सीखो।

□□□

साहिल शर्मा 10 स

सफलता

सफलता एक ऐसी चीज है जो हमारे जीवन को सार्थक बनाती है, जो हमारे जीवन की कई परिस्थितियों से निखारती हैं। जीवन में यह सीढ़ी का वह उच्चतम बिन्दु है जहाँ हम सभी पहुंचना चाहते हैं हम सभी ने सांप सीढ़ी का खेल अवश्य ही खेला होगा इस खेल में कई बार हमें सांप काट लेते हैं, नहीं तो हम आसानी से अपने लक्ष्य तक पहुंच जाते। ठीक इसी प्रकार हमारी सफलता की कहानी है। सफलता की उच्चतम सीढ़ी तक पहुंचने के लिए हर कदम चुनौतियों से भरी होती हैं। हमें अपने हर कदम को अग्रसर रखना चाहिए। हमें जीवन में सफल होने के लिए इन सभी चुनौतियों का सामना करने और इन चुनौतियों से पार पाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

□□□

कुमारी पिकी साहनी 11 कला

निरोग रहने के दोहे

रक्तचाप बढ़ने लगे, तब मत सोचे भाग्य!
 सौगंध राम के दवाई के, तुरन्त छोड़ दो चाय ॥
 घूट-घूट पानी पियो, रह तनाव से दूर ।
 एसिडिटी या मोटापा, होवे चकनाचूर ॥
 लौकी का रस पीजिये, चोकर युक्त पिसान ।
 तुलसी, गुड़, सेंधा नमक, हृदय रोग निदान ।
 रोज मूलहठी चूसियो, कफ बाहर आ जाए।
 बने सुरीला कंठ भी, सबको लागत सुहाए।
 भोजन करके खाईये, सौंफ, गुड़, अजवान ।
 पत्थर भी पच जाएगा, जानै सकल जहान ॥
 तुलसी का पत्ता करे, यदि हरदम उपयोग ।
 मिट जाते हैं हर उम्र में शरीर के सारे रोग ॥
 जो नहावें गर्म जल से, तन मन हो कमजोर।
 आँख ज्योति कमजोर हो, शक्ति घटे चहुँओर ॥
 ऊर्जा मिलती है बहुत, पिये गुनगुना नीर।
 कब्ज खत्म हो पेट की, मिट जाए हर पीर ॥
 प्रातः काल पानी पिएं, घूट-घूट कर आप।
 ठंडा पानी पियो मत, करता क्रूर प्रहार ॥
 प्रातः काल पानी पिये, घूट - घूट कर आप।
 बस दो-तीन गिलास है, हर औषधि का बाप ॥
 चैत्र माह में नीम का पत्ता हर दिन खावें ।
 ज्वर, डेंगू या मलेरिया बारह मील भगावें ॥
 सौ वर्षों तक वह जिए, लेते नांक से सांस ।
 अल्पकाल वह जिए, जो ले मुंह से सांस ॥
 भोजन करके रात में, घूमें कदम हजार ।
 डॉक्टर, ओझा, वैद्य का लुट जाए व्यापार ॥
 भोजन करें धरती पर, आलथी-पालथी मार।
 चबा चबा कर खाइये, वैद्य न झांके द्वार ॥
 भोजन करके जोहिये, केवल घण्टा - डेढ़ ।
 पानी इसके बाद पिये, है ये औषधि का पेड़ ॥
 देर रात तक जागना, रोगों का जंजाल ।
 अपच, आँख के रोग संग, तन भी रहे निढाल ॥
 फल या मीठा खाइके, तुरंत न पीजे नीर।
 ये सब छोटी आंत में, बनते विषधर तीर ॥
 एल्युमिनियम के पात्र का, करता है जो उपयोग।
 आमंत्रित करता है सदा, वह अड़तालीस रोग ॥
 अलसी, तिल, नारियल, घी, सरसों का तेल ।
 इसका सेवन आप करें, नहीं होगा हार्ट फैल ॥

□□□

प्रदीप गुप्ता कक्षा-10 स

ऊर्जा बचाओ

- 1-ऊर्जा के स्रोत एक दिन खत्म हो जाएंगे
 फिर हम खुद को अंधकार में पायेंगे।
- 2-ऊर्जा के नए साधन अपनाओ
 पुराने और सीमित साधनों को बचाओ
- 3-बिजली की खपत को कम करो
 सौर ऊर्जा का प्रयोग शुरू करो
- 4-आज ऊर्जा नहीं बचाओगे
 तो आने वाले समय में ऊर्जा कहाँ से लाओगे
- 5-ऊर्जा के सीमित साधन है कोयला और पेट्रोल
 इसलिए इसके प्रयोग पर रखो थोड़ा सा कंट्रोल
- 6-हम सबको ऊर्जा को बचाना है
 आने वाली पीढ़ी को भी तो इनका लाभ उठाना है
- 7-दोबारा प्रयोग होने वाले ऊर्जा के साधन अपनाओ
 संरक्षित रखो कोयला और पेट्रोल, वातावरण को स्वच्छ बनाओ
- 8-निजी वाहनों की मत करो भरमार
 वरना ऊर्जा से वंचित रह जाएगा संसार।

□□□

नन्दनी वर्मा 12 कला



रासायनिक खाद:- खराब हो रही फसल गुणवत्ता और बढ़ रही उत्पादन लागत

विगत दो दशकों से खेती में रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ती गई है। रासायनिक खादों के लगातार इस्तेमाल से एक ओर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता खराब होने लगी है, तो दूसरी तरफ कृषि लागत लगातार बढ़ती जा रही है। यूरिया, डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) और एमओपी (म्यूरेंट ऑफ पोटाश) के लिए हम दूसरे देशों पर निर्भर हैं। एमओपी के लिए हम कनाडा, रूस, जॉर्डन, इजराइल, तुर्कमेनिस्तान और बेलारूस जैसे देशों पर निर्भर हैं। बेशक हमारे यहां यूरिया की आवश्यकता का अस्सी प्रतिशत उत्पादन होता है, मगर यूरिया बनाने के लिए तरल गैस का आयात कतर, अमेरिका, यूएई और अंगोला से किया जाता है। इन देशों की निर्यात नीतियां हमें प्रभावित करती हैं और यूरिया उत्पादन की लागत बढ़ती जाती है।

बीस प्रतिशत यूरिया की कमी पूरी करने के लिए भी हम आयात पर निर्भर हैं, डीएपी की अत्यधिक कीमत और कमी से विगत कई वर्षों से किसान परेशान हैं। यूक्रेन युद्ध के कारण भी इस समस्या में वृद्धि हुई है। कृषि वैज्ञानिकों ने आयातित रासायनिक खादों के विकल्प के तौर पर अमोनियम फॉस्फेट सल्फेट (एपीएस) जैसे उर्वरकों को बढ़ावा देने की रणनीति तैयार की है, जिसकी कीमत बेशक डीएपी से कम है, मगर इतनी भी कम नहीं है कि उस नीति से बहुत ज्यादा लाभ मिल सके। एपीएस खाद में 20 प्रतिशत नाइट्रोजन, 20 प्रतिशत फॉस्फोरस, शून्य प्रतिशत पोटाश और 13 प्रतिशत सल्फर होता है। एपीएस खाद, रॉक फॉस्फेट और सल्फ्यूरिक एसिड से तैयार की जाती है, जिससे फॉस्फोरिक एसिड की बचत होती है। यह खाद तिलहन, दलहन, मक्का, कपास, प्याज, मिर्च जैसी फसलों के लिए उपयुक्त है, मगर गेहूं, धान और गन्ने के लिए अब भी डीएपी का विकल्प, एपीएस नहीं है। वैज्ञानिक कुछ फसलों के लिए ही एपीएस को डीएपी के विकल्प के रूप में तैयार कर रहे हैं।

ऐसे समय में, गोबर खाद और जैविक खादों को गांव-गांव में व्यापक स्तर पर तैयार करने के लिए एक नीति और अभियान की जरूरत महसूस की जा रही है। हमारी अवैज्ञानिक कृषि नीतियों के कारण गांवों से पशुओं की संख्या घटती गई है। क्रय-विक्रय की अड़चनों ने भी पशुपालन को हतोत्साहित किया है। पशुओं के कम होने से गोबर का उत्पादन कम हुआ है। खेती-किसानी से युवा वर्ग के पलायन के कारण भी गोबर खाद के उत्पादन के प्रति लोग लापरवाह हुए हैं। उसकी कमी को पूरा करने के लिए ही किसान रासायनिक खादों पर निर्भर होते गए हैं, लेकिन लगातार रासायनिक खादों के इस्तेमाल से मिट्टी के बंजर हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। गोबर खाद और जैविक खाद तैयार होने में समय जरूर लेती है, मगर वह पूरी तरह से खेती और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिए बेहतर है।

इसलिए गोबर और जैविक खादों को तैयार करने के लिए ग्राम सभा स्तर पर सरकारी कृषि यंत्रों को उपलब्ध कराने की जरूरत है, जिससे हर खेत में फसलों के डंटलों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर गड्डों में थोड़ी-सी गोबर घोल और जानवरों के मूत्र छिड़ककर मिट्टी में दबा दिया जाए। इन गड्डों में गोबर के साथ पशुओं के बिछावन, भूसा और घास-फूस को भी डाला जा सकता है। हर फसल के समय अगर हम ऐसा करने लगेंगे, तो एक साल बाद, गड्डों से सड़ी हुई गोबर और जैविक खाद मिलने लगेगी, जो उसी खेत को न केवल उर्वरक बनाएगी, बल्कि रासायनिक खादों पर हमारी निर्भरता कम करती जाएगी। इस प्रक्रिया से खेतों में फसलों के डंटलों को जलाने की जरूरत न पड़ेगी। हम बिना अतिरिक्त लागत के देशी खाद तैयार करेंगे और पर्यावरण को भी दूषित होने से बचाएंगे। साथ ही साथ एमओपी और यूरिया जैसे उच्च पोषक तत्व वाले उर्वरकों की खपत को सीमित करने में मदद मिलेगी।

यह कोई नई विधि नहीं है, पहले किसान मात्र गोबर खाद से ही खेती करते थे। हरित क्रांति के बाद, रासायनिक खादों का इस्तेमाल बढ़ा और कृषि मशीनों के इस्तेमाल के बाद हमने जानवरों को पालना कम कर दिया। हमें खेती-किसानी के लिए आधुनिक औजारों के साथ-साथ खाद बनाने के परंपरागत तरीकों को अपनाने की जरूरत है। पेड़ों के पत्ते, फसलों और सब्जियों के अवशेषों से जैविक खाद बनाने के लिए आगे आना चाहिए। इसके साथ ही साथ गाय और भैंस पालन, उनके आवागमन और बिब्री में अड़चनें खत्म कर, गोबर का उत्पादन बढ़ाने और उसे खाद के रूप में इस्तेमाल करने को प्रोत्साहित करने के लिए आगे आना चाहिए। उर्वरकों की आयात निर्भरता कम करने और किसानों को संतुलित उर्वरकों के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए।

□□□

विजय कुमार कुशवाहा (कृषि अध्यापक)

विज्ञान से सम्बंधित कहानियां

“अलेक्जेंडर फ्लेमिंग” और “भाग्यशाली फफूंद” (पेनिसिलिन की खोज):-

1928 में स्कॉटिश वैज्ञानिक अलेक्जेंडर फ्लेमिंग अपनी प्रयोगशाला में बैक्टीरिया (Staphylococci) पर काम कर रहे थे, वे छुट्टियों पर जाने से पहले अपनी ‘पेट्री डिश’ साफ करना भूल गए। जब वे वापस आए, तो उन्होंने देखा कि एक डिश में नीले-हरे रंग की फफूंद (Mold) उग आई थी। हैरानी की बात यह थी कि उस फफूंद के आसपास के सभी बैक्टीरिया मर चुके थे। फ्लेमिंग ने महसूस किया कि यह फफूंद कोई ऐसा पदार्थ छोड़ रही है जो बैक्टीरिया का दुश्मन है। इसी ‘गलती’ से दुनिया की पहली एंटीबायोटिक पेनिसिलिन का जन्म हुआ, जिसने दूसरे विश्व युद्ध और उसके बाद करोड़ों लोगों की जान बचाई।

“एडवर्ड जेनर” और “दूध दुहने वाली महिला” (चेचक के टीके की खोज):-

18वीं सदी में ‘चेचक’ (Smallpox) एक भयानक महामारी थी। डॉक्टर एडवर्ड जेनर ने गौर किया कि जो महिलाएं गाय का दूध दुहती थीं, उन्हें कभी चेचक नहीं होता था, बल्कि उन्हें ‘काउपॉक्स’ (एक हल्की बीमारी) होती थी। 1796 में जेनर ने एक साहसी प्रयोग किया। उन्होंने एक दूध दुहने वाली महिला के घाव से मवाद लिया और उसे एक 8 साल के लड़के, जेम्स फिप्स, के शरीर में डाल दिया। लड़के को हल्का बुखार हुआ लेकिन वह ठीक हो गया। बाद में जब जेनर ने उसे चेचक के वायरस से संक्रमित करने की कोशिश की, तो उसे चेचक नहीं हुआ। यह दुनिया का पहला टीकाकरण (Vaccination) था। ‘वैक्सीन’ शब्द लैटिन शब्द ‘Vacca’ से आया है, जिसका अर्थ है ‘गाय’।

शिवेन्द्र प्रकाश (सहायक अध्यापक)

माँ-बाप के सपने

बहने जब स्वतन्त्रता से विद्यालय के लिए निकलती है, तब अपने बैग में क्या लेकर निकलती है? आप कहेंगे किताब, कलम, कापी पेन, बाक्स अपने बैग में। मैं कहती हूँ कि – जी नहीं, वो अपने माँ-बाप के सपने रखकर ले जाती है। उस माँ के सपने जो सुबह उठकर उसके लिए भोजन व टिफिन बना रही है। परेशान होकर रात भर जाग रही है उसके लिए हल्दी वाला दूध बना रही है ताकि मेरी बेटा कल परीक्षा पास करके आये, इसकी बुद्धि ठीक रहे। उस बाप के सपने जो एक जोड़ी कपड़े में तीन साल निकाल देता है, लेकिन बेटियों को हर साल नए ड्रेस दिलाता है। इसी माँ-बाप के सपने हैं आपके बैग में। आपको कन्धों पर उसका बोझ होना चाहिए, माँ-बाप का नाम रोशन करना है। मैं स्कूल जाऊँ तो सिर्फ ईमानदारी से पढ़ाई करूँ।

□□□

नीलम शर्मा 11 कला

महात्मा गाँधी और स्वच्छ भारत

“सत्य अहिंसा का था वो पुजारी,
कभी ना जिसने हिम्मत हारी।
सांस दी, हमें आजादी दी,
जन-जन जिसका है आभारी”



मोहनदास करमचन्द्र गाँधी (महात्मा गाँधी) जिसे पूरा देश राष्ट्रपिता और बापू के नाम से पुकारता है। महात्मा गाँधी जी अहिंसा के पुजारी थे। अहिंसा एक उनका मुख्य अस्त्र था। गाँधी जी के (3) तीन हथियार थे— सत्य, प्रेम और अहिंसा। गाँधी जी के जीवन से देश और विदेश के लोगों को शिक्षा मिलती है। भारत को आजादी की जंजीरों से बाहर निकालने में गाँधी जी का योगदान सारा विश्व जानता है। गाँधी जी ने अंग्रेजों के खिलाफ हिंसा न करते हुए अहिंसा का मार्ग अपनाया था। इन्होंने पूरे देश को एकजुट करके भारत की आजादी में हिस्सा लेने की एक प्रेरणा दी थी।

वर्तमान में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी गाँधी जी के मार्ग पर चलते हुए देश को स्वच्छ बनाने का अच्छा कार्य कर रहे हैं। विगत कई वर्षों से पूरा देश गाँधी जी के जन्म दिवस पर “स्वच्छता ही सेवा है” अथवा “स्वच्छ भारत अभियान” कार्यक्रम को मना रहा है। जिसमें देश के सभी लोगों का योगदान महत्वपूर्ण है। हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम अपने आस पड़ोस की गन्दगी और अपने समाज की गन्दगी को साफ करें और एक स्वच्छ भारत बनायें, इसलिये स्वच्छता अभियान की शुरुआत भी 02 अक्टूबर गाँधी जी के जन्म दिवस के दिन की गयी है। इसलिए हम सब मिलकर गाँधी जयन्ती के साथ साथ स्वच्छता ही सेवा है यह कार्यक्रम को भी बड़े धूम-धाम से मनाते हैं। गाँधी जयन्ती हमारे देश का एक राष्ट्रीय त्योहार है और इसके साथ-साथ स्वच्छ भारत के अभियान को भी बड़े आदर और स्वच्छ मन से अपनायें। अगर साफ-सफाई होगी तो हम स्वस्थ रहेंगे और देश की गंदगी साफ होगी इससे हमारा देश स्वच्छ होगा और विकसित देश बनने में हमें ज्यादा समय नहीं लगेगा और हम भी अमेरिका, रूस, चीन और जापान आदि देशों के क्रम में आ सकेंगे।

“करेंगे हम ऐसा काम, बनी रहेगी देश की शान”

□□□

रागिनी चौहान 9 अ

क्या लिखूँ?

विद्यालय की पत्रिका छप रही थी
मिला मुझे यह कक्षाध्यापक से समाचार
सोची मैं भी लिख डालूँ लेख दो-चार
कविता लिखूँ कहानी लिखूँ या फिर कोई लेख
इसी सोच में बैठी मैं सिर तकिए पर टेक
पूछा भैया से विषय बताओ या कोई प्रसंग
जिसे पढ़े मजे से सब लोग हो न हो कोई तंग
इन्हीं विचारों से खोकर जब दिमाग होने लगा खाली
तब मैंने टूटे फूटे शब्दों में यही कविता लिख डाली।

□□□

रागिनी चौहान कक्षा 12 कला

कर्म

तेरा मेरा करते करते
एक दिन चले जाना है
जो भी कमाया है,
यही रह जाना है
कर ले कुछ अच्छे कर्म,
साथ यही तेरे जाना है।

□□□

कविता कुशवाहा

11 कला

अजब-गजब तथ्य

1. मच्छर के मुंह में 22 दांत होते हैं।
2. मकड़ी बिना कुछ खाये 10 वर्ष तक जीवित रह सकती है।
3. बिच्छू अपने जीवन में केवल एक बार बच्चे पैदा करता है, उसके बाद तुरन्त मर जाता है।
4. अमेरिकन कंगारू जिन्दगी भर बिना पानी के जी सकता है।
5. सारस अपने साथी के वियोग में प्राण त्याग देता है।
6. घड़ियाल के शरीर से गुलाबी पसीना निकलता है।
7. हमिंग बर्ड सबसे छोटा पक्षी (डेढ़ ग्राम) होता है।
8. दुनिया का समबसे बड़ा पक्षी शुतुरमुग है।
9. ब्लू व्हेल दुनिया का सबसे बड़ा प्राणी है।
10. हाथी 20 किलोमीटर दूर अपने साथी से सम्पर्क कर सकता है।
11. तिलचट्टा का खून सफेद रंग का होता है।
12. तोता आदमी से आदमी की भाषा में बात कर सकता है।
13. चमगादड़ रात में दिन की तरह उड़ सकता है।
14. बिल्ली को रात में हरा व नीला दिखाई देता है।
15. कछुआ सबसे अधिक जीने वाला प्राणी होता है।



□□□

प्रिती कुशवाहा 10 स

जिन्दगी

कभी-कभी उदास की आग है जिन्दगी!
कभी-कभी खुशियों की बाग है जिन्दगी!
कभी हंसाने और रूलाने का राग है जिन्दगी!
हमारे किए गए कर्मों का हिसाब है जिन्दगी।

□□□

लक्की शर्मा कक्षा 11 कला

विद्यालय में स्मृतियों का आखिरी पन्ना

इस वर्ष के साथ केवल एक कक्षा ही नहीं बदलेगी
बल्कि उम्र की एक अनमोल सीढ़ी भी पार होगी
विद्यालय की गलियों में बिताए गए वर्षों ने
हमें न सिर्फ पढ़ना-लिखना सिखाया,
बल्कि हमें इंसान बनना भी सिखाया है।
आगे बढ़ते कदमों में
यही स्मृतियां शक्ति बनकर साथ चलेंगी
नए रास्तों पर नई मंजिलें
हम सभी सहपाठियों का इंतजार कर रही है।

□□□

नन्दनी वर्मा कक्षा 12 कला

भारत के वीर जवान

नाज हमें है उन वीरों पर
जो मान बढ़ाकर आए हैं
दुश्मन को घुसकर के मारा
शान बढ़ाकर आए हैं।
प्रधानमंत्री जी अब मान गए हम,
56 इंच का सीना है
कुचल मसल दो अब उन सबको,
जिन्होंने हमारी बहनों का सिन्दूर छीना है
और आस है बड़ी वतन की,
अरमान बढ़ा लिए हैं हम सब।
नाज हमें है उन वीरों पर,
जो मान बढ़ाकर आए हैं।
एक मरा तो 100 मारेंगे,
अब रीत यही बन जाने दो

□□□

आयुष तिवारी कक्षा 10 स

दिखावा

एक राजा के दरबार में एक बुद्धिमान मंत्री था। जिसके पास हर समस्या का हल था। राजा अपने इस मंत्री से बिना पूछे कोई भी बड़ा फैसला नहीं लेता था। इस मंत्री से राज दरबार के अन्य लोग जलन रखते थे। एक दिन राज दरबार में राजा ने अपने इस मंत्री से कहा, तुम इतने बुद्धिमान हो लेकिन तुम्हारा बेटा तो बेहद मूर्ख है! राजा की ये बात मंत्री को अच्छी नहीं लगी और मंत्री ने राजा से पूछा, महाराज! आप ऐसा क्यों बोल रहे हैं, आखिर आपको ऐसा क्यों लगता है कि मेरा बेटा मूर्ख है? राजा ने कहा, मैं रोज सुबह जब जनता से मिलने के लिए जाता हूँ तो वहाँ पर तुम्हारा बेटा भी होता है और मैं रोज तुम्हारे बेटे से ये पूछता हूँ कि सोना और चांदी में से कौन सी चीज सबसे ज्यादा कीमती है? तुम्हारा बेटा हर बार चांदी ही कहता है। राजा की ये बात सुनकर दरबार में मौजूद लोग मंत्री पर हंसने लगे और मंत्री को बुरा लगा। मंत्री बिना कुछ कहे अपने घर वापस आ गया और घर आते ही मंत्री ने अपने बेटे से पूछा—सोने और चांदी में क्या मूल्यवान है? बेटे ने फौरन जवाब देते हुए कहा— पिताजी, सोना! मंत्री ने बेटे से कहा, तुम्हें जब पता है कि सोना कीमती धातु है तो तुम क्यों राजा को गलत जवाब देते हो और चांदी को कीमती धातु कहते हो? बेटे ने कहा— पिताजी, राजा रोज सुबह बाजार में आकर प्रजा से मिलते हैं और रोज मुझे बुलाकर मेरे सामने 2 सिक्के रखते हैं, जिनमें से एक चांदी का होता है और एक सोने का। सिक्का रखकर राजा मेरे से पूछते हैं कि जो इन दोनों में से अधिक कीमती चीज है, वो तुम ले जाओ और मैं चांदी का सिक्का उठा लेता हूँ। ये देखकर राजा हंसते हैं और चले जाते हैं। मंत्री ने अपने बेटे से पूछा, तो तुम क्यों रोज चांदी का सिक्का उठा लेते हो? अब पूरा दरबार मेरा मजाक उड़ा रहा है। मंत्री की बात सुन बेटा उन्हें अपने कमरे में ले गया और वहाँ पर उसने एक पेटी खोली। पेटी चांदी के सिक्कों से भरी हुई थी। इतनी सारी चांदी देखकर मंत्री हैरान हो गया। बेटे ने कहा—पिताजी, जो सिक्के राजा मुझे देते हैं, ये सब वही है। जिस दिन मैंने राजा को सही उत्तर दे दिया, राजा मुझसे ये सवाल पूछना बंद कर देंगे और मुझे रोज एक सिक्का मिलना बंद हो जाएगा, ऐसा होने से मेरा नुकसान होगा। अगले दिन मंत्री ने अपने बेटे की चतुराई राजा को बताई और राजा मंत्री के बेटे की चालाकी से बेहद ही प्रभावित हुआ।

सीख— हमें अपनी काबिलियत का दिखावा नहीं करना चाहिए, समय आने पर अपने आप ही सबको पता चल जाएगा।

□□□

सिमरन गुप्ता 11 कला

चिड़िया

चिड़िया रानी चिड़िया रानी ।
तुम हो पेड़ों की रानी ॥
सुबह सवेरे उठ जाती हो ।
ना जाने क्या गाती हो ॥
क्या तुम भी पढ़ने को जाती हो ।
या नौकरी करने को जाती हो ॥
शाम से पहले आती हो
बच्चों का दाना लाती हो ॥
भर-भर चोंच खिलाती दाना ।
चूँ — चूँ चहक सुनाती गाना ॥

□□□

अंशु चौहान 9 स

घमण्ड सेहत के लिए हानिकारक

एक बार की बात है, दो मुर्गे एक पहाड़ी को लेकर लड़ रहे थे। वे दोनों अपनी पूरी ताकत से लड़ रहे थे, क्योंकि जो भी जीतेगा वह पहाड़ी का राजा बनेगा। अंत में एक मुर्गा जीत गया और दूसरा मुर्गा लड़ाई में गंभीर रूप से घायल हो गया और हार गया। जीतने वाले मुर्गे ने अपनी जीत की घोषणा करने के लिए एक ऊँची उड़ान भरी और तेज आवाज में चिल्ला कर सबको अपनी जीत के बारे में बताया। इतने में एक बाज उड़ता हुआ आया और इस घमण्डी मुर्गे को देखा। उसने झपट्टा मारा और मुर्गे को पकड़ कर दूर ले गया। दूसरा मुर्गा जो हार गया था वह नीचे से सब कुछ देख रहा था, वह जल्दी से बाहर आया और खुद को पहाड़ी का राजा घोषित कर दिया।

शिक्षा— जरूरत से ज्यादा घमंड सेहत के लिए खतरनाक होता है।

□□□

सत्यप्रकाश पासी 11 कला

एक देश एक चुनाव : पक्ष-विपक्ष

एक देश, एक चुनाव का विचार विगत वर्षों में विभिन्न अवसरों पर विभिन्न मंचों के द्वारा चर्चा का विषय बनता जा रहा है। वर्ष 2019 में दूसरी बार प्रधानमंत्री बने श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून 2019 को एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई, इसके बाद एक बार फिर यह मुद्दा सतह पर आ गया। यद्यपि इस मुद्दे पर लम्बे समय से बहस होती चली आ रही है, किन्तु इस बैठक में भी पूर्व की भांति देश के सभी राजनीतिक दलों में एकजुटता नहीं दिखाई दी। हालांकि वर्तमान सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे पर एक राय कायम करने हेतु प्रयासरत हैं। सरकार ने इस मामले पर व्यापक अध्ययन करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गयी, जिसकी रिपोर्ट भी आ चुकी है, जिसमें एक देश एक चुनाव के पक्ष में रिपोर्ट दी गयी है, जिसके बाद संविधान संशोधन की कार्यवाही गतिमान है।

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य -

- एक देश, एक चुनाव का मुद्दा आज चर्चा का केन्द्र बिन्दु बना हुआ है किन्तु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही पूरे देश में लोकसभा के साथ राज्य विधानसभाओं के चुनाव कराये गये हैं। वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 में ऐसा हो चुका है, लेकिन राज्यों के पुनर्गठन और सरकारों की बर्खास्तगी के कारण धीरे-धीरे यह क्रम बिखरता चला गया और वर्ष 1970 के आते यह परम्परा पूरी तरह समाप्त हो गई।
- संसद की स्थायी समिति एक देश एक चुनाव के सम्बन्ध में वर्ष 2015 में भी इसके पक्ष में समर्थन व्यक्त किया और इस मामले को चुनाव आयोग को स्थानांतरित कर दिया।
- चुनाव आयोग एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर अक्तूबर 2017 में तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओम प्रकाश रावत ने भी कहा था कि एक साथ चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग तैयार है लेकिन निर्णय राजनीतिक स्तर पर किया जाना है। इसके सम्बन्ध में विभिन्न राजनीतिक दलों को विचार करना होगा।

एक देश-एक चुनाव के विषय पर पक्ष में तर्क -

- 1- एक देश एक चुनाव की प्रक्रिया अपनाने से धन की बचत और समय की बरबादी कम हो सकती है।
- 2- पूर्व में भी हो चुके हैं एक साथ चुनाव : विगत वर्षों में 1952, 1957, 1962 व 1967 में लोकसभा और राज्य विधान सभाओं के एक साथ चुनाव हो चुके हैं तो वर्तमान में भी एक साथ चुनाव कराये जा सकते हैं।
- 3- विश्वास प्रस्ताव की वैकल्पिक व्यवस्था : प्रश्न यह उठता है कि यदि 5 वर्ष से पहले ही सरकार गिर जाती है तो क्या होगा? ऐसी स्थिति में किसी सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने के शीघ्र पश्चात ही दूसरी वैकल्पिक सरकार के लिए विश्वास प्रस्ताव लाने की व्यवस्था की जा सकती है।
- 4- लम्बी चुनाव अवधि से विकास कार्य और योजनाएँ प्रभावित होते हैं : 18 वीं लोकसभा का चुनाव 7 चरणों में 19 अप्रैल 2024 से 01 जून 2024 तक सम्पन्न कराया गया।
- 5- चुनाव की तिथि की घोषणा के साथ ही देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है, जिससे सरकार नये विकास कार्य और योजनाओं की घोषणा नहीं कर पाती है। दूसरी ओर पूरे प्रशासनिक अमले, पुलिस और सुरक्षा बलों तथा अन्य विभागों के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया में व्यस्त कर दिया जाता है। जिससे पूर्व में चल रहे अन्य कार्य भी प्रभावित हो जाते हैं।
- 6- एक देश-एक चुनाव की व्यवस्था से समय की बचत स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों पर भार कम होगा। सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।

एक देश-एक चुनाव के विषय पर विपक्ष में तर्क -

1— एक साथ चुनाव कराने से राजनीतिक दलों और नेताओं की जवाबदेही कम या समाप्त हो सकती है जबकि लगातार चुनाव होते रहने से उनकी जनता के प्रति जवाबदेही बनी रहती है।

2— एक साथ चुनाव कराने में भी धन के व्यय को नहीं रोका जा सकता। एक साथ चुनाव कराने से EVM, VVPAT तथा अन्य सामग्री की खरीद का खर्चा और बढ़ जायेगा। चुनाव में खर्चा कम करने के लिए राजनैतिक दलों की खर्च सीमा तय की जानी चाहिए।

3— लोकसभा या विधानसभाओं के नियत समय से पूर्ण भंग हो जाने की स्थिति: यदि लोकसभा या कोई राज्य विधानसभा अपने नियत समय से पूर्व भंग हो जाती है अर्थात् सरकार गिर जाती है तो ऐसी स्थिति में क्या किया जायेगा? क्या सभी राज्य विधानसभाएँ फिर से चुनाव में जायेंगी? ना तो यह व्यवहारिक है और ना ही लोकतान्त्रिक मूल्यों के अनुरूप है। लोकसभा या फिर किसी राज्य विधानसभा के कार्यकाल को बढ़ाना या घटाना संविधान सम्मत नहीं है।

एक देश, एक चुनाव के विचार के मार्ग में चुनौतियाँ -

देश में एक साथ चुनाव कराने की दिशा में सबसे बड़ी चुनौती लोकसभा और राज्य विधान सभाओं के कार्यकाल को समन्वित करने की है। राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को लोक सभा के कार्यकाल के साथ समन्वित करने हेतु घटाया या बढ़ाया जा सकता है किन्तु हमारे संविधान निर्माताओं ने चुनाव कराने तथा निर्वाचित विधायिकाओं की अवधि कम करने या बढ़ाने का अधिकार कार्यपालिका में अन्तर्निहित किया है। इसके अतिरिक्त भारत के संविधान में कई ऐसे प्रावधान हैं जो एक देश एक चुनाव की दिशा में बाधा और चुनौती बनते हैं जिनमें संशोधन की आवश्यकता है। श्री रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय कमेटी के रिपोर्ट के बाद सरकार का इस पर सकारात्मक रुख है। विश्व में, एक देश एक चुनाव की व्यवस्था का प्रचलन स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, इण्डोनेशिया, जैसे देशों में है, जिसके लिए वहाँ के संविधान के कुछ प्रावधानों में परिवर्तन किया गया है।

निष्कर्ष - उपरोक्त तर्कों के आधार पर कहा जा सकता है कि निःसन्देह एक देश एक चुनाव का विचार सैद्धान्तिक रूप से आकर्षक व अच्छा है किन्तु इस सन्दर्भ में संविधान के संघीय ढाँचे, भारत की विविधता में एकता और अखण्डता, विभिन्न स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाना चाहिये। इसके साथ-साथ देश के विभिन्न राजनीतिक दलों की इस मुद्दे पर एक राय होनी चाहिए, जिससे कि इस प्रक्रिया को लागू करने में कोई कठिनाई या अड़चन ना आये, अन्ततः इस पर देश व समाज के सभी वर्गों द्वारा व्यापक विचार-विमर्श किये जाने की आवश्यकता है।

□□□

कुमारी पिकी साहनी 11 कला

चुटकुला

* पति— तुम घर में दही क्यों नहीं जमा लेती हो, ...सस्ता भी पड़ता और शुद्ध भी।

पत्नी— नहीं जमाना, क्योंकि मैंने शादी से पहले ही क्लियर कर दिया था।

पति— क्या क्लियर कर दिया था?

पत्नी— यही कि " अगर तुम मिल जाओ तो हम जमाना छोड़ देंगे"।

* एक मक्खी की शादी एक मच्छर से हो गयी। अगले दिन मक्खी खूब रोई, मक्खी की बहन ने पूछा— जीजी क्या हुआ? मक्खी बोली— मैंने रात में गुड नाइट जला दिया, तेरा जीजा मर गया।

□□□

ममता गोड़ कक्षा 9 स

!! शैक्षिक गतिविधियों की झलक !!

- 1— बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत किए जाने हेतु दिनांक 05-06-2025 को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उप जिला मजिस्ट्रेट, खड्डा मो0 जफर जी द्वारा छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। सभी वर्गों से सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं का विवरण निम्नवत् है—

वर्ग	नाम	पिता का नाम	प्राप्तांक	पूर्णांक	प्रतिशत
हाईस्कूल	राधा कुमारी	श्री सज्जन कुशवाहा	543	600	90.5
इण्टर कृषि भाग-2	सौरभ मिश्रा	श्री संजय कुमार मिश्रा	820	1000	82.00
इण्टर कृषि भाग-1	कु0 बन्दना	श्री काशीनाथ कुशवाहा	337	450	74.88
इण्टर मानविकी	कु0 काजल कुशवाहा	श्री करुण कुशवाहा	394	500	78.8

- 2— शिक्षा निदेशक (मा0) उ0प्र0 लखनऊ, जिलाधिकारी महोदय, कुशीनगर एवं जिला विद्यालय निरीक्षक, कुशीनगर के विभिन्न आदेशों/निर्देशों के अनुपालन में 11वें अन्तराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 16-06-2025 को विद्यालय की छात्राओं द्वारा रंगोली बनाकर योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का अपील किया गया। उक्त रंगोली निर्माण में निम्न छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया—

कक्षा 11	कक्षा 12
कु0 पिकी साहनी पुत्री श्री जवाहर साहनी	कु0 मनीषा पुत्री श्री राजाराम कुशवाहा
कु0 अनुराधा कुशवाहा पुत्री श्री विनोद कुशवाहा	कु0 रागिनी पुत्री श्री श्यामलाल चौहान
कु0 खुशबु खातून पुत्री श्री इस मोहम्मद	कु0 राधिका भारती पुत्री श्री काशीनाथ भारती
कु0 प्रियंका साहनी पुत्री श्री जवाहर साहनी	

- 3— 11वें अन्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के अवसर पर प्रातः 06:30 बजे से अध्यक्ष नगर पंचायत छितौनी, कुशीनगर, सभासद गण नगर पंचायत छितौनी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में विद्यालय के शिक्षक/कर्मचारी/छात्रा/छात्रा द्वारा Yoga Sangam Event के अन्तर्गत सामूहिक योगाभ्यास किया गया।
- 4— 11वें अन्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के उपरान्त पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसका परिणाम निम्नवत् रहा—

वर्ग/स्थान	इण्टरमीडिएट		हाईस्कूल	
प्रथम	कुमारी पिकी साहनी	11 कला	कुमारी गुन्जा गुप्ता	10 अ
द्वितीय	कु0 कंचन कुशवाहा	11 कला	प्रिन्स शर्मा	10 स
तृतीय	कुमारी रागिनी निषाद	12 कला	मनीषा कुमारी	10 अ
			कु0 काजल कुशवाहा	10 अ

- 5— रंगोली निर्माण एवं पोस्टर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले उक्त छात्र/छात्राओं को स्वतन्त्रता दिवस 2025 के अवसर पुरस्कार वितरण किया गया।

- 6— दिनांक 08-08-2025 को विद्यालय में 14 समूहों में छात्र/छात्राओं द्वारा तिरंगा रंगोली बनाकर हर-घर तिरंगा फहराने का अपील किया गया।
- 7— 79वें स्वतन्त्रता दिवस 2025 के अवसर पर हर-घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत विद्यालय के शिक्षक/कर्मचारी/छात्रा/छात्रा द्वारा प्रतिकूल मौसम में भी दिनांक 13-08-2025 को तिरंगा यात्रा निकाला गया, **ताकि हर घर फहरे तिरंगा**। तिरंगा यात्रा को महिला शिक्षिकाओं द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। HarGharTiranga के लिंक/पोर्टल पर तिरंगा सेल्फी लेकर अपलोड किया गया एवं समस्त शिक्षकों/छात्र/छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया।
- 8— बोर्ड परीक्षा 2026 में शामिल होने वाले हाई स्कूल (कक्षा-10) के विद्यार्थियों के मध्य Target Classes कक्षाएं प्रत्येक दिवस **सातवें एवं आठवें वादन** में संचालित की जा रही, जिसके माध्यम से छात्र/छात्राओं को उन विषयों में सहायता प्रदान करना है जहाँ उन्हें अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, छात्रों की अधिगम संबंधी त्रुटियों और कठिनाइयों को पहचान कर उन्हें दूर करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, ताकि छात्र/छात्राएं आगामी बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। Target Classes में प्रतिदिन अलग-अलग शिक्षक छात्र/छात्राओं का मार्गदर्शन करेंगे। Target Classes में 30 छात्र/छात्राएं ही शामिल हैं, जिनका चयन एक परीक्षा, जों दिनांक 30-08-2025 को आयोजित किया गया था, के परिणाम के माध्यम से किया गया।
- 9— दिनांक 30-08-2025 को जनपद स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया, यह प्रतियोगिता आर0 पी0 इण्टर कालेज, खड्डा कुशीनगर में आयोजित हुई थी, जिसके नोडल अधिकारी, श्री उदल कुमार, प्रधानाध्यापक, राजकीय उ0 मा0 विद्यालय, कटाई भरपुरवा थे। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्राओं ने विभिन्न विधाओं में पुरस्कार प्राप्त किया।
- | | | | |
|------------|-----|----------------|--------|
| कु0 रोशनी | 8 अ | कु0 सुलोचना | 9 अ |
| कु0 ज्योति | 9 अ | कु0 अंशु चौहान | 9 स |
| कु0 मधु | 9 स | कु0 पिकी साहनी | 11 कला |
- 10— दिनांक 28-09-2025 को श्रीमती लाची देवी समाज कल्याण इण्टर कालेज, जटहा बाजार में आयोजित जनपदीय कबड्डी प्रतियोगिता में 19 वर्ष बालक संवर्ग में छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी के प्रतिभागी के जनपदीय चैम्पियन बनें।
- 11— दिनांक 30-09-2025 जो शरदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि भी थी, को मिशन शक्ति अभियान के तहत अष्टम की छात्रा कुमारी प्रिया कुशवाहा को एक दिन हेतु कार्यवाहक प्रधानाचार्य मनोनित किया गया।
- 12— 02 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर विद्यालय में झण्डारोहण प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री प्रदीप उपाध्याय द्वारा किया गया।
- 13— माध्यमिक विद्यालयीय खेल-कूद प्रतियोगिताओं के संचालन हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक, कुशीनगर द्वारा छितौनी इण्टर कालेज, छितौनी, कुशीनगर को तहसील-खड्डा का प्रभारी नामित किया गया। इसके अन्तर्गत दिनांक 16-17 अक्टूबर 2025 को माध्यमिक शिक्षा विभाग की तहसील स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। जिसमें तहसील खड्डा के माध्यमिक विद्यालयों द्वारा प्रतिभाग किया गया। तदोपरान्त सफल प्रतिभागी छात्र/छात्राओं द्वारा दिनांक 23-24 अक्टूबर 2023 को बुद्ध

इण्टरमीडिएट कालेज, कुशीनगर में आयोजित जनपद स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया, जिनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के परिणामस्वरूप तहसील-खड्डा को जनपद स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। जनपद स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी छात्र/छात्राओं द्वारा दिनांक 27-28 अक्टूबर 2023 को महात्मा गांधी इण्टर कालेज, गोरखपुर में आयोजित मण्डल स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया, जिनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के परिणामस्वरूप जनपद-कुशीनगर को मण्डल स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

- 14- दिनांक 23-24 अक्टूबर 2023 को बुद्ध इण्टरमीडिएट कालेज, कुशीनगर में आयोजित जनपद स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में संस्था के 18 प्रतिभागी प्रतिभाग किए, जिसमें संस्था को 02 स्वर्ण, 07 रजत, 05 कांस्य सहित कुल 14 पदक प्राप्त हुआ। पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण निम्न है-

Age Group	Event	प्रतिभागी का नाम	जनपद में पदक
U-19 बालक वर्ग	100 मीटर	नूर मोहम्मद	कांस्य
U-17 बालक वर्ग	1500 मीटर	मुकेश गिरी	रजत
U-17 बालक वर्ग	3000 मीटर	मुकेश गिरी	कांस्य
U-17 बालक वर्ग	1500 मीटर	अभिषेक गिरी	रजत
U-17 बालक वर्ग	चक्र फेंक	अभिषेक गोड़	स्वर्ण
U-17 बालक वर्ग	भाला फेंक	अभिषेक गोड़	स्वर्ण
U-17 बालिका वर्ग	त्रिकूद	अनुराधा कुशवाहा	रजत
U-17 बालिका वर्ग	भाला फेंक	अनुराधा कुशवाहा	रजत
U-17 बालिका वर्ग	800 मीटर	आंचल गुप्ता	रजत
U-17 बालिका वर्ग	3000 मीटर	आंचल गुप्ता	कांस्य
U-17 बालिका वर्ग	1500 मीटर	आंचल सिंह	कांस्य
U-17 बालिका वर्ग	3000 मीटर	आंचल सिंह	रजत
U-14 बालिका वर्ग	गोला	अंशु चौहान	रजत
U-14 बालिका वर्ग	800 मीटर	अंशु चौहान	कांस्य

- 15- 27-28 अक्टूबर 2023 को महात्मा गांधी इण्टर कालेज, गोरखपुर में आयोजित मण्डल स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में संस्था के 06 प्रतिभागी प्रतिभाग किए, जिसमें संस्था को 02 कांस्य पदक प्राप्त हुआ। मण्डल स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण निम्न है-

Age Group	Event	प्रतिभागी का नाम	जनपद में पदक
U-17 बालिका वर्ग	3000 मीटर	आंचल सिंह	कांस्य
U-17 बालक वर्ग	भाला फेंक	अभिषेक गोड़	कांस्य

- 16- राजकीय बालिका इण्टर कालेज, पडरौना, कुशीनगर में दिनांक 07-11-2025 को आयोजित जनपद स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कान्ग्रेस में मार्गदर्शक शिक्षक श्री शिवेन्द्र प्रकाश, स0अ0 के नेतृत्व में विद्यालय से निम्नवत् छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्रोजेक्ट	प्रतिभागी का नाम	पिता का नाम
01	साहिल शर्मा	श्री चन्द्रभान शर्मा
	प्रदीप गुप्ता	" शैलेश गुप्ता
	ब्रम्हा गोड़	" अनिरुद्ध गोड़

- 17- बाल दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर बालकों का 3000 मीटर एवं बालिकाओं के 1500 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया था, जिसे मा0 अध्यक्ष नगर पंचायत छितौनी, श्री अशोक निषाद हरा झण्डा दिखाकर खाना किया गया। इस दौड़ का परिणाम निम्नवत् रहा-

बालक वर्ग		बालिका वर्ग	
छात्र का नाम	कक्षा	छात्रा का नाम	कक्षा
मुकेश गिरी	10 स	आंचल गुप्ता	10 स
अमरजीत गौतम	11 कला	आंचल सिंह	7 अ
अभिषेक गिरी	10 स	अंशु चौहान	9 स

- 18- दिनांक 14-11-2025 को बाल मेला का आयोजन किया गया।

- 19- दिनांक 26-11-2025 को संविधान दिवस के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें इण्टरमीडिएट के कला वर्ग से 04 सदस्यों वाली 04 टीमों ने प्रतिभाग, जिसका परिणाम निम्नवत् रहा-

प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ
11 कला	12 कला	11 कला	12 कला
पिंकी साहनी	किरण	रानी कुशवाहा	रागिनी चौहान
कंचन कुशवाहा	नन्दनी वर्मा	अर्चना सिंह	सलोनी गोड़
प्रियंका साहनी	गोल्डी चौहान	खुशी	राधिका भारती
सुनील कुशवाहा	शीतल कुमारी	सत्यप्रकाश पासी	नेहा गुप्ता

- 20- दिनांक 26-11-2025 को ही संविधान दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्नवत् रहा-

पुरस्कार	प्रतिभागी का नाम	पिता का नाम	कक्षा
प्रथम	काजल	श्री सुरेन्द्र कुशवाहा	10 अ
द्वितीय	संगम	" मजनू	10 ब
तृतीय	अंजनी कुशवाहा	" हरिन्दर कुशवाहा	10 अ

- 26- दिनांक 09-10-2025 से दिनांक 30-10-2025 तक शैक्षिक सत्र 2025-26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा सम्पन्न हुई थी। कक्षावार एकीकृत औपबन्धिक परीक्षाफल दिनांक 19-11-2025 से 25-11-2025 तक विद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित थी। अंको से असंतुष्ट छात्रों के प्रत्यावेदनों के निस्तारण उपरान्त दिनांक 29-11-2025 को एकीकृत प्राप्तांक सूची विद्यालय की वेबसाइट www.cickushinagar.in पर प्रदर्शित किया गया तथा अभिभावक-अध्यापक संघ की बैठक का आयोजन किया गया। शैक्षिक सत्र 2025-26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा में कक्षावार सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रा निम्नवत् है-

CLASS	ROLL NO.	NAME	F.NAME	OB. MARK	M. MARK
VI- A	252600003	KUMARI NANDANI	RAJESH PRASAD	491	700
VI-B	252600096	MOHAMMAD ARAMAN	NAJEER	489	700
7-A	252600206	NEHA CHAUHAN	GUDDU CHAUHAN	551	700
7-B	252600263	VIVEK KUMAR KUSHWAHA	RAJ KUMAR	620	700
8-A	252600403	AMRITA	SURENDRA BHARTI	579	700
8-B	252600477	RAVI KISHAN	SHRI CHAUDHARI	505	700
9-A	252600577	JYOTI	MANOJ JAISWAL	292	420
9-B	252600731	GAJADHAR	NANDLAL PRASAD	286	420
9-C	252600860	MAMTA	VINOD GOND	348	420
10-A	252601109	ANJANI	HARENDRA	320	420
10-B	2252601223	MOHAN KUSHWAHA	UMESH KUSHWAHA	244	420
10-C	2252601285	ISHA SHARMA	BRAJESH KUMAR SHARMA	356	420
11-Arts	252601363	PINKI SAHANI	JAWAHAR	391	500
12-Arts	252601668	NANDANI VERMA	SURENDRA VERMA	358	500
11- Ag	252601755	SONU CHAUHAN	SURESH CHAUHAN	141	250
12-Ag	252601763	BANDANA	KASHINATH KUSHWAHA	253	300

21— दिनांक 22-12-2025 को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्नवत् रहा—

वर्ग / स्थान	इण्टरमीडिएट			हाईस्कूल		
	प्रतिभागी का नाम	पिता का नाम	कक्षा	प्रतिभागी का नाम	पिता का नाम	कक्षा
प्रथम	सत्य प्रकाश पासी	श्री गुलाब पासवान	11	प्रदीप गुप्ता	श्री शैलेश गुप्ता	10
द्वितीय	रितेश कुशवाहा	श्री धर्मपाल कुशवाहा	11	अजीत कु0 शर्मा	श्री ब्रजेश कु0 शर्मा	10
तृतीय	सोनू चौहान	श्री सुरेश चौहान	11	साहिल शर्मा	श्री चन्द्रभान शर्मा	10

22— दिनांक 23-12-2025 को राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें इण्टर कृषि वर्ग से 04 सदस्यों वाली 04 टीमों ने प्रतिभाग, जिसका परिणाम निम्नवत् रहा—

प्रथम	द्वितीय
बन्दना कुशवाहा	सोनू चौहान
निलेश कुशवाहा	आदित्य कुमार
लारेन्स जायसवाल	मुकेश कुशवाहा
नेहा गुप्ता	कृष्णा कुशवाहा

!! 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा !!

- संस्था की 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा दिनांक 03-01-2026 से 04-01-2026 तक आयोजित हुई।
- इस प्रतिस्पर्धा का शुभारम्भ दिनांक 03-01-2026 को प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री प्रदीप उपाध्याय तथा श्री प्रहलाद मौर्य द्वारा विद्यालयी झण्डारोहण, मशाल जलाकर किया गया। इस अवसर पर श्री ऊदल कुमार प्रधानाध्यापक राजकीय उ० मा० विद्यालय मोतीललहा, तथा श्री सिद्धार्थ कुशवाहा प्रधानाचार्य श्रीमती लाची देवी समाज कल्याण इ० कालेज, जटहा भी उपस्थित थे। प्रथम दिवस दौड़, क्रिकेट, रंगोली एवं मेंहदी की प्रतिस्पर्धा हुई।
- 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा के दूसरे दिन का प्रारम्भ मा० सभासद श्री रुस्तम अली द्वारा किया गया। दिनांक 04-01-2026 को लम्बी दूरी की दौड़ प्रतियोगिताएं, गोला क्षेपण चक्का क्षेपण, भाला क्षेपण, लम्बी कूद, खो-खो, भाषण, नृत्य एवं गायन की प्रतियोगिता हुई।
- प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर श्री अविनाश पति तिवारी, सहायक सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद क्षेत्रीय कार्यालय गोरखपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए एवं विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर अपने उद्बोधन से छात्र/छात्राओं का मार्गदर्शन किया तथा विद्यालयी झण्डा उतारकर राष्ट्रगान के साथ 65वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा का समापन हुआ। समापन के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राजीव कुमार मल्ल, प्रधानाध्यापक, राजकीय उ० मा० वि० मोतीललहा, कुशीनगर उपस्थित थे।
- संस्था की 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा के सफल आयोजन में क्रीड़ा शिक्षक श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह (शा०शि० जनता इण्टर कालेज, बैरौना, देवरिया), श्री अभिषेक चौहान (शा०शि० जनता इण्टर कालेज, कोटवा कला), श्री सुजित सिंह पटेल (शा०शि० शतुधनजीत नरेन्द्र प्रताप गन्ना कृषक इण्टर कालेज, सिंगहा), द्वारा निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया गया। इस हेतु प्रधानाचार्य श्री आकाश कुमार सिंह द्वारा विद्यालय परिवार के तरफ से उपस्थित सभी क्रीड़ा शिक्षक/प्रशिक्षक का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।
- संस्था की 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा को प्रिन्ट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार बन्धुओं ने अपने लोकप्रिय समाचार पत्रों/वेब पोर्टल पर उचित स्थान प्रदान किया गया। इस हेतु प्रधानाचार्य श्री आकाश कुमार सिंह द्वारा विद्यालय परिवार के तरफ से सभी पत्रकार बन्धुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।
- 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा में विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभागिता से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन छात्र एवं छात्राओं को ओवरआल चैम्पियनशिप से पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार	बालिका वर्ग	बालक वर्ग	विशेष
प्रथम	अमरजीत	अंशु चौहान	01 वर्ष तक निःशुल्क शिक्षा
द्वितीय	रंजीत	आंचल गुप्ता	06 माह तक निःशुल्क शिक्षा
तृतीय	नूर मोहम्मद	गोल्डी चौहान	03 माह तक निःशुल्क शिक्षा

- 67वीं वार्षिक खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा में सभी प्रतियोगिता में बालक/बालिका एवं जूनियर/सीनियर वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। जिनका विवरण निम्नवत् है-

सीनियर बालक वर्ग

प्रतिस्पर्धा	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
100 मीटर दौड़	नूर मोहम्मद	बब्लू निषाद	अमरजीत
200 मीटर दौड़	अमरजीत गौतम	अभिषेक गिरी	नूर मोहम्मद
400 मीटर दौड़	अमरजीत गौतम	मुकेश गिरी	अभिषेक गिरी
800 मीटर दौड़	अमरजीत गौतम	मुकेश गिरी	अभिषेक गिरी
1500 मीटर दौड़	अमरजीत गौतम	मुकेश गिरी	अभिषेक गिरी
3000 मीटर दौड़	अमरजीत गौतम	मुकेश गिरी	अभिषेक गिरी
गोला क्षेपण	बब्लू निषाद	विनोद	अभिषेक गिरी
चक्र क्षेपण	बब्लू निषाद	अंश गुप्ता	मुकेश गिरी
भाला क्षेपण	नूर मोहम्मद	तेज प्रताप	अंश गुप्ता
लम्बी कूद	नूर मोहम्मद	बब्लू निषाद	मुकेश गिरी

सीनियर बालिका वर्ग

प्रतिस्पर्धा	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
100 मीटर दौड़	आंचल गुप्ता	पुष्पा शर्मा	लक्की शर्मा
200 मीटर दौड़	संजना गुप्ता	आंचल गुप्ता	गोल्डी चौहान
400 मीटर दौड़	गोल्डी चौहान	संजना गुप्ता	आंचल गुप्ता
800 मीटर दौड़	आंचल गुप्ता	गोल्डी चौहान	किरन गुप्ता
1500 मीटर दौड़	गोल्डी चौहान	आंचल गुप्ता	किरन गुप्ता
3000 मीटर दौड़	गोल्डी चौहान	आंचल गुप्ता	किरन गुप्ता
गोला क्षेपण	किरन गुप्ता	अनुराधा कुशवाहा	नेहा कुमारी
चक्र क्षेपण	अनुराधा कुशवाहा	नेहा कुमारी	आंचल गुप्ता
भाला क्षेपण	किरन गुप्ता	अनुराधा कुशवाहा	पुष्पा शर्मा
लम्बी कूद	पिंकी साहनी	नेहा कुमारी	लक्की शर्मा
नृत्य	अर्चना सिंह	नेहा गुप्ता	—
गायन	शकुन्तला यादव	प्रियंका साहनी	प्रीति कुमारी

जूनियर बालक वर्ग

प्रतिस्पर्धा	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
100 मीटर दौड़	रंजीत	तनवीर आलम	विवेक चौहान
200 मीटर दौड़	रंजीत	तनवीर आलम	विवेक चौहान
400 मीटर दौड़	रंजीत	राहुल यादव	सागर यादव
600 मीटर दौड़	रंजीत	आनन्द यादव	राहुल यादव
गोला क्षेपण	इस्तकार अली	तनवीर आलम	धनन्जय चौहान
चक्र क्षेपण	इस्तकार अली	आनन्द यादव	तनवीर आलम
लम्बी कूद	आशीष कुमार	आनन्द यादव	तनवीर आलम
नृत्य	अमित रंजन	ब्रहमा कुमार	विशाल चौधरी

जूनियर बालिका वर्ग

प्रतिस्पर्धा	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
100 मीटर दौड़	अंशु चौहान	आंचल सिंह	नेहा कुशवाहा
200 मीटर दौड़	अंशु चौहान	आंचल सिंह	खुशी यादव
400 मीटर दौड़	अंशु चौहान	नेहा कुशवाहा	काजल चौहान
600 मीटर दौड़	अंशु चौहान	आंचल सिंह	खुशी यादव
गोला क्षेपण	अंशु चौहान	नेहा कुशवाहा	आंचल कुमारी
चक्र क्षेपण	गरिमा गोड़	शायरा खातुन	अंशु चौहान
लम्बी कूद	अंशु चौहान	गरिमा गोड़	शायरा खातुन
नृत्य	सुलोचना	प्रियंका खरवार	रोशनी चौहान
गायन	प्रियंका खरवार	नन्दनी कुशवाहा	काजल चौहान

- टीम स्पर्धा में हुए प्रतियोगिता का विवरण निम्नवत् है—

प्रतिस्पर्धा	वर्ग	विजेता	कप्तान	उप विजेता	कप्तान
क्रिकेट	बालक	कक्षा 11 कला	नूर मोहम्मद	कक्षा 10	बब्लू निषाद
खो-खो	बालक	कक्षा 10	अभिषेक गिरी	कक्षा 11 कला	नूर मोहम्मद
खो-खो	बालिका	कक्षा 11 कला	अनुराधा कुशवाहा	कक्षा 10	आंचल गुप्ता
रंगोली	सीनियर	समूह सं0-04	मनीषा कुशवाहा	समूह सं0-03	नन्दनी वर्मा
रंगोली	जूनियर	समूह सं0-08	अमृता भारती	समूह सं0-05	अजूबा
मेंहदी	सीनियर	विभा चौधरी एवं शगुन गुप्ता		शाबरा एवं सलमा सितारा	
मेंहदी	जूनियर	रानी चौधरी एवं नाजिया खातून		रेखा कुमारी एवं रंजना	

इसके अतिरिक्त रंगोली में कुल 16 समूह के प्रतिभागी तथा मेंहदी में कुल 20 समूह के प्रतिभागी प्रतिभाग किए थे, जिन्हें सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

- भाषण प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत् रहा—

वर्ग / स्थान	सीनियर			जूनियर		
	प्रतिभागी का नाम	पिता का नाम	कक्षा	प्रतिभागी का नाम	पिता का नाम	कक्षा
प्रथम	साहिल शर्मा	श्री चन्द्रभान शर्मा	10	गोलू	श्री अजय	10
द्वितीय	ईशा शर्मा	श्री ब्रजेश कु0 शर्मा	10	रोशनी	श्री अजय चौहान	10
तृतीय	नन्दनी वर्मा	श्री सुरेन्द्र वर्मा	12	ममता गोड़	श्री विनोद गोड़	10



